मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 9 अंक 06
शनिवार, 11 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई, सीबीआई जांच और फोरेंसिक ऑडिट की मांग

नई दिल्ली, 10 जुलाई। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले के आरोपों से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ मामले की स्वतंत्र जांच की मांग वाली तीन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

पीठ में सीजेआइ के अलावा न्यायाधीश जोयमाल्या बाग्ची और वी. मोहना शामिल होंगी। तीन में से दो याचिकाओं में सीबीआइ से जांच कराने की मांग की गई है। गर्मियों की छुट्टियों के बाद सोमवार से सुप्रीम कोर्ट नियमित रूप से खुल रहा है। सोमवार से जब कोर्ट नियमित सुनवाई के लिए बैठेगा उसी दिन राम जन्मभूमि चढ़ावा चोरी से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई की जाएगी।

सोमवार की सुनवाई सूची में ये याचिकाएं शामिल हैं। जो तीन याचिकाएं लंबित हैं उनमें एक याचिका वकील नरेन्द्र कुमार गोस्वामी ने दाखिल की है जिसमें गोस्वामी ने मामले की सीबीआइ जांच कराने की मांग की है साथ ही अयोध्या राम जन्मभूमि का प्रबंधन देख रहे राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय मामलों का सीएजी से ऑडिट कराने की भी मांग की है।

दूसरी याचिका अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव की है इसमें भी सीबीआइ जांच की मांग की गई है। तीसरी याचिका आरजेडी सांसद सुधाकर सिंह ने दाखिल की है।

इस याचिका में घोटाले को देखते हुए मंदिर ट्रस्ट के सभी वित्तीय मामलों की फारेंसिक आडिट कराने की मांग की गई है। दाखिल जनहित

याचिका में सबूतों के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ रोकने के लिए सभी वित्तीय रिकॉर्ड, जैसे फिजिकल दस्तावेज, डिजिटल लेजर, यूपीआइ ट्रांसेक्शन लॉग और बैंक स्टेटमेंट सुरक्षित रखने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

यह भी मांग है कि ट्रस्ट को प्रस्तावित निगरानी समिति की पूर्व मंजूरी के बिना बड़े निवेश करने, बड़े कॉन्ट्रेक्ट करने या महत्वपूर्ण वित्तीय निर्णय लेने से रोका जाए। याचिका में एक स्वतंत्र एजेंसी से ट्रस्ट के सभी चंदे, लेनदेन और संपत्तियों की व्यापक फोरेंसिक ऑडिट कराने की भी मांग है।

इसमें यह भी अनुरोध किया गया है कि ट्रस्ट को सार्वजनिक पारदर्शिता के हित में अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर ऑडिट किये गए वित्तीय स्टेटमेंट और चंदे के रिकॉर्ड प्रकाशित करने का निर्देश दिया जाए। यह भी अनुरोध है कि जांच पूरी होने तक ट्रस्ट के फंड का इस्तेमाल, बड़े कॉन्ट्रेक्ट देना, तीसरे पक्ष के अधिकार बनाना, ट्रस्ट की संपत्तियों का हस्तांतरण, निवेश या अन्य महत्वपूर्ण वित्तीय प्रतिबद्धताओं से जुड़े कोई भी बड़े वित्तीय या प्रशासनिक निर्णय , प्रस्तावित कोर्ट निगरानी वाली निगरानी समिति की मंजूरी के बिना न लिए जाएं।

इसके अलावा याचिका में मांग की गई है कि ट्रस्ट के खातों, दान, चढ़ावे, बैंक ट्रांजेक्शन, और वित्तीय रिकार्ड का एक भरोसेमंद और निष्पक्ष एजेंसी से फारेंसिक ऑडिट कराया जाए और ऑडिट रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश की जाए।

दतिया उपचुनाव में टिकट कटने पर नरोत्तम के समर्थक भड़के, बाजार कराया बंद, जिलाध्यक्ष समेत कई ने दिया इस्तीफा

ग्वालियर, 10 जुलाई। दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा द्वारा आशुतोष तिवारी को प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद दतिया में पार्टी के भीतर खुला विरोध सामने आ गया। टिकट की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों ने भाजपा जिला कार्यालय के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। नाराज कार्यकताओं ने हाईवे पर धरना देकर प्रदेश नेतृत्व के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

राजनीतिक हलकों में लंबे समय से यह माना जा रहा था कि भाजपा दतिया सीट से एक बार फिर डॉ. नरोत्तम मिश्रा पर दांव लगाएगी। लेकिन पार्टी ने पूर्व मप्र हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाकर सभी अटकलों पर विराम लगा दिया। इस फैसले के बाद डॉ. मिश्रा समर्थकों की नाराजगी खुलकर सामने आ गई।

भाजपा जिला कार्यालय पर बड़ी संख्या में जुटे समर्थकों ने प्रदेश नेतृत्व के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के विरोध में भी नारे लगाए गए। प्रदर्शन के चलते कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा। विरोध प्रदर्शन यहीं नहीं रुका। नाराज कार्यकर्ता बाजार बंद कराने के लिए शहर की सड़कों पर निकल पड़े। इसके चलते टाउन हॉल, बड़ा बाजार और किला चौक क्षेत्र की कई दुकानें बंद हो गईं, जिससे शहर में राजनीतिक माहौल और गरमा गया।टिकट वितरण से उपजे असंतोष के बीच दतिया के भाजपा जिलाध्यक्ष रघुवीर कुशवाह सहित जिला कार्यकारिणी ने सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया। इसे पार्टी के भीतर बढ़ती नाराजगी का बड़ा संकेत माना जा रहा है। डॉ. नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों ने संकेत दिए हैं कि वे पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर उम्मीदवार बदलने की मांग करेंगे। उनका कहना है कि टिकट वितरण के फैसले पर पुनर्विचार कराया जाएगा।

मैं ममता बनर्जी की तरह 'कमजोर, मुख्यमंत्री नहीं हूं, शुभेंदु अधिकारी ने साधा निशाना

कोलकता, 10 जुलाई। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि वह ममता बनर्जी की तरह "कमजोर और डरपोक" मुख्यमंत्री नहीं हैं। उन्होंने जोर दिया कि वह निर्वाचित प्रतिनिधियों की ऐसी गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियों को बर्दाश्त नहीं करेंगे जिनसे सांप्रदायिक तनाव भड़क सकता है। शुभेंदु अधिकारी आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के प्रमुख और विधायक हुमायूं कबीर का जिक्र कर रहे थे, जिन्होंने हाल ही में कुछ "भड़काऊ" टिप्पणियां की थीं।

मुर्शिदाबाद जिले की रेजिनगर सीट पर होने वाले उपचुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक रैली को संबोधित करते हुए अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को "कमजोर और

डरपोक" करार देते हुए कहा कि ऐसे "गैर-जिम्मेदाराना कृत्यों" के प्रति उनकी प्रतिक्रिया बिल्कुल विपरीत होगी। चुनाव कार्यक्रम की तारीख अभी घोषित नहीं हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा, ?गलतफहमी में न रहें, मैं ममता बनर्जी की तरह कमजोर और डरपोक मुख्यमंत्री नहीं हूं। मैं निर्वाचित प्रतिनिधियों की गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियों को बर्दाश्त नहीं करूंगा। मैंने स्थानीय विधायक से कहा है कि वे देश के संविधान को ध्यान में रखते हुए सोच-समझकर शब्द चुनें। नंदीग्राम के साथ-साथ रेजिनगर सीट पर भी उपचुनाव होने की संभावना है।

नंदीग्राम सीट शुभेंदु अधिकारी ने भवानीपुर में जीत के बाद छोड़ी थी, जहां उन्होंने ममता बनर्जी को हराया था। वहीं, रेजिनगर सीट हुमायूं कबीर के छोड़ने के बाद खाली हुई, क्योंकि उन्होंने नौदा सीट से भी जीत दर्ज की थी। अधिकारी ने कहा, "रेजिनगर में उपचुनाव अगले 30 से 45 दिनों में होंगे। इस इलाके में लंबे समय से चली आ रही हिंदू-मुस्लिम राजनीति के बजाय, हम यहां के मतदाताओं की जो भी मांगें होंगी, उन्हें पूरा करते हुए विकास लाएंगे।

'प्रकृति का कर्ज' चुकाने का संकल्प लें, हर नागरिक लगाए 'मां के नाम' एक पेड़

◆12 जुलाई के वृक्षारोपण महायज्ञ की तैयारियों की समीक्षा; हर वार्ड में मुफ्त पौध वितरण, पान, बेल, महुआ, अर्जुन और चिरौंजी जैसे पौधों पर रहेगा विशेष जोर

सुरेश गांधी

वाराणसी। 12 जुलाई को होने वाले वृक्षारोपण महायज्ञ2026 को जनआंदोलन का स्वरूप देने की तैयारी तेज हो गई है। शुक्रवार को सर्किट हाउस सभागार में स्टाम्प एवं शुल्क पंजीयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वृक्षारोपण केवल लक्ष्य पूरा करने तक सीमित न रहे, बल्कि पौधों के संरक्षण और जनसहभागिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। मंत्री ने काशीवासियों से भावनात्मक अपील करते हुए कहा, ?हर नागरिक 'मां के नाम' एक पेड़ अवश्य लगाए। क्यों न हम इतने पेड़ लगाएं कि मरने के बाद हमारे ऊपर प्रकृति का कोई कर्ज न रहे।

बैठक में वृक्षारोपण स्थलों के चयन, गड्ढों की खुदाई, गुणवत्तापूर्ण पौधों की उपलब्धता, सिंचाई, सुरक्षा, जियो टैगिंग, परिवहन और विभागवार लक्ष्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। मंत्री ने कहा कि सभी पौधारोपण स्थलों पर पहले से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली जाएं, ताकि अभियान बिना किसी बाधा के सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि पौधे लगाने के साथ उनका संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है और प्रत्येक विभाग इसकी जिम्मेदारी तय करे। मंत्री ने निर्देश दिया कि नगर के प्रत्येक वार्ड में एक उपयुक्त स्थान या प्रमुख चौराहे पर पौध वितरण केंद्र बनाया जाए, जहां से वार्डवासियों को निःशुल्क पौधे उपलब्ध कराए जाएं। उनका कहना था कि अधिक से अधिक लोगों की

भागीदारी से ही यह अभियान सफल होगा। काशी की सांस्कृतिक पहचान को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पान और कत्था के पौधों के साथ बेल, महुआ, अर्जुन, चिरौंजी और शहतूत जैसे उपयोगी एवं पर्यावरण हितैषी पौधों के रोपण और वितरण पर विशेष जोर दिया। साथ ही मुख्यालय से जुड़ने वाली चौड़ी सड़कों, उनके मीडियन, औद्योगिक क्षेत्रों, नई टाउनशिप, बस स्टॉप तथा श्री काशी विश्वनाथ धाम परिसर में भी उपयुक्त स्थानों पर बेल के पौधे लगाने का सुझाव दिया।

रविंद्र जायसवाल ने कहा कि अंतिम संस्कार के लिए बड़ी मात्रा में लकड़ी की आवश्यकता पड़ती है, जिसके लिए पेड़ों की कटाई होती है। यदि हर व्यक्ति अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाए तो वह प्रकृति पर पड़े इस बोझ को काफी हद तक कम कर सकता है।

उन्होंने विद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण को जनचेतना से जोड़ने के लिए गीत, संगीत, निबंध और चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित कराने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया कि विद्यालयों, ग्राम पंचायतों, स्वयं सहायता समूहों, स्वयंसेवी संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रत्येक ग्राम पंचायत में 'पौध भंडारा' आयोजित कर किसानों और ग्रामीणों को पौध वितरित करने तथा हर व्यक्ति से कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की।

बैठक में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक शंभू कुमार, डीएफओ निधि चौहान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और पार्षद मौजूद रहे। यादगार अपील मौत के बाद भी प्रकृति का कर्ज न रहे.आदमी के अंतिम संस्कार में नौ मन लकड़ी लगती है। क्यों न हम अपने जीवन में इतने पेड़ लगा दें कि मरने के बाद प्रकृति पर कोई कर्ज बाकी न रहे। – रविंद्र जायसवाल, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के दोषियों को सजा दिलाने के लिए देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान चलाएगी आप: अरविंद केजरीवाल

नयी दिल्ली, 10 जुलाई। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि पार्टी अयोध्या स्थित राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी से जुड़े विवाद में शामिल दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग को लेकर एक देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान शुरू करेगी। उन्होंने लोगों से इस मामले में एकजुट होकर आवाज उठाने की अपील की है।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर इस कथित चोरी के लिए जिम्मेदार लोगों को बचाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा दिलाना हर सनातनी का कर्तव्य है। इस अभियान के तहत हर नागरिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित एक पत्र पर हस्ताक्षर कर-के उनसे अपील करेगा।

केजरीवाल ने बताया कि आप

रविवार को दिल्ली के रोहिणी स्थित जापानी पार्क में सुंदर कांड पाठ का आयोजन करेगी, जहां से इस हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के जिम्मेदार लोगों को बचाने का प्रयास कर रही है, जिसके खिलाफ लोगों को एकजुट होना होगा और बड़ी संख्या में इस अभियान से जुड़ना होगा।

यह विवाद उस समय गहराया है जब विपक्ष राम मंदिर के चढ़ावा प्रबंधन में कथित वित्तीय अनियमितताओं की न्यायिक जांच की मांग कर रहा है।

इजरायल का सनसनीखेज दावा: ईरान ने बनाया ट्रंप की हत्या का प्लान, खुफिया रिपोर्ट से मचा हड़कंप

इजरायल, 10 जुलाई। पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। इजरायल की एक खुफिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रच रहा है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, यह खुफिया जानकारी हाल ही में अमेरिका के साथ साझा की गई है। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और न ही ईरान ने इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है, जब कुछ सप्ताह पहले ही अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष रोकने के लिए युद्धविराम लागू हुआ था। अब इस नए दावे के बाद दोनों देशों के बीच रिश्तों में फिर से तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

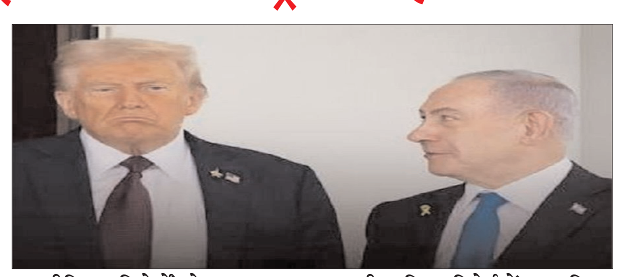

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इजरायल ने अमेरिका को सौंपी अपनी खुफिया रिपोर्ट में दावा किया है कि ईरान ट्रंप को निशाना बनाने की योजना पर काम कर रहा है। यदि अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां इस रिपोर्ट को विश्वसनीय मानती हैं, तो वॉशिंगटन का तेहरान के प्रति रुख और कड़ा हो सकता है। हालांकि अमेरिकी प्रशासन ने इस रिपोर्ट पर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि या विस्तृत टिप्पणी नहीं की है। जनवरी 2020 में अमेरिकी ड्रोन हमले में ईरानी सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत के बाद से अमेरिका और ईरान के रिश्ते लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं।

ईरानी नेताओं ने कई बार सुलेमानी की मौत का बदला लेने की बात कही थी। इसी वजह से अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां पहले भी ईरान समर्थित तत्वों से संभावित खतरों को लेकर सतर्क रहती आई हैं।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

35 वां सर्वोच्च सम्मान, नरेंद्र मोदी के नाम

-डॉ.वेदप्रकाश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसी भी देश का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त होना उनकी लोकप्रियता, कार्य पद्धति और क्षमताओं की व्यापक स्वीकृति का द्योतक है। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी विश्व के शिखरस्त व्यक्तित्व हैं जिन्हें विदेश के सर्वाधिक सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। हाल ही में इंडोनेशिया ने उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान बितांग एडिपुर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया (बीतांग आदिपूर्णा) से सम्मानित किया है। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो ने जकार्ता के मेडेर्का पैलेस में आयोजित विशेष समारोह में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान इंडोनेशिया की एकता, निरंतरता, समृद्धि में असाधारण योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को दिया जाता है। इस प्रकार यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्राप्त 35 वां विदेशी सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

सर्वविदित है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश-दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं, इसके मूल में उनकी नीतियां एवं कार्य प्रणाली है। हम यह भी जानते हैं कि विगत लंबे समय से रूस-यूक्रेन, अमेरिका- इजरायल- ईरान, पाकिस्तान व अफगानिस्तान जैसे कई देश युद्धरत हैं, जिसके चलते राष्ट्रीय और वैश्विक फलक पर ईंधन, ऊर्जा, दवाइयां, कच्चे माल व खाद्यान्न आदि का संकट पैदा हो रहा है। ऐसी परिस्थितियों में भी प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय और वैश्विक समुदाय को संयम से काम लेकर मानवता के कल्याण हेतु विचार करने का संदेश दे रहे हैं। वे राष्ट्रीय और वैश्विक फलक पर वसुधैव कुटुंबकम की जीवन पद्धति को लेकर आगे बढ़ते हैं। वे सर्वे भवंतु सुखिनः की कामना से काम करते हैं। वे विस्तार नहीं विकास की नीति में विश्वास रखते हैं। उनका मंत्र स्पष्ट है- सबका साथ- सबका विकास। जन-जन के कल्याण के लिए वे एक ही संकल्प लेकर काम करते हैं और वह है- यही समय है, सही समय है। वे राष्ट्रीय और वैश्विक फलक पर जहां जाते हैं वहीं निहित स्वार्थों से परे समूची मानवता के कल्याण की चिंता और चर्चा करते हैं।

विदित हो कि विगत में भी विदेशी यात्राओं के क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घाना पहुंचे थे। किसी भारतीय प्रधानमंत्री की वहां यह यात्रा 30 वर्ष बाद थी। घाना की सरकार ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मान- ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घना से विभूषित किया। सम्मान के बाद घाना की संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- भारत और घाना का रिश्ता सिर्फ कूटनीति तक सीमित नहीं है बल्कि यह आपसी विश्वास और साझा मूल्यों की नींव पर टिका है। यह सम्मान भारत की जनता के लिए गर्व का क्षण है। गौरतलब है कि वैश्विक समुदाय द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यापक लोकप्रियता के कारण वे ग्लोबल लीडर बन चुके हैं। विगत दिनों साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साइप्रस का सबसे बड़ा नागरिक सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ माकारियस तृतीय से सम्मानित किया था। 140 करोड़ भारतीयों की ओर से सम्मान स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री ने साइप्रस के राष्ट्रपति, सरकार और लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। यह भारत के जन-जन के लिए भी गर्व का विषय है कि इससे पूर्व भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सऊदी अरब द्वारा ऑर्डर ऑफ अब्दुल अजीज अल सऊद नामक सर्वोच्च सम्मान, अफगानिस्तान द्वारा द स्टेट आर्डर ऑफ गाजी अमीर अमानुल्ला खान सम्मान, फिलिस्तीन द्वारा द ग्रैंड कालर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन अवार्ड, संयुक्त अरब अमीरात द्वारा ऑर्डर ऑफ जायद अवार्ड, रूस द्वारा ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू अवार्ड, मालदीव द्वारा द ऑर्डर ऑफ द डिस्टिंग्विश्ड रूल ऑफ निशां, अमेरिका द्वारा उन्हें असाधारण सेवाओं के लिए सैन्य सम्मान लीजन ऑफ मेरिट से सम्मानित किया गया है। वर्ष 2023 में फिजी ने प्रधानमंत्री मोदी के वैश्विक नेतृत्व को मान्यता देने हेतु अपने सर्वोच्च सम्मान द कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किया तो वहीं इसी वर्ष प्रशांत महासागर के द्वीपीय देशों की एकता की वकालत करने और ग्लोबल साउथ के मुद्दे का नेतृत्व करने के लिए पापुआ न्यू गिनी ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू से सम्मानित किया। समुचित विश्लेषण करने पर हम पाते हैं कि विश्व के और भी कई देश उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं। इसके मूल में कहीं न कहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का व्यवहार और विचार है। वे छोटे- बड़े विभिन्न मंचों पर न केवल भारत अपितु समूचे विश्व के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाते हैं। उनकी चर्चा करते हैं और समुचित योजना बनाते हुए सभी को साथ लेकर चलने का आवाह्न करते हैं। विगत में संयुक्त राष्ट्र की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर साधारण सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था कि- भारत ने हमेशा पूरी मानव जाति के हित के बारे में सोचा है... भारत की आवाज हमेशा शांति, सुरक्षा और समृद्धि के लिए उठेगी। भारत की आवाज हमेशा मानवता, मानव जाति और मानवीय मूल्यों के दुश्मन आतंकवाद, अवैध हथियारों की तस्करी, ड्रग्स, मनी लॉड्रिंग के खिलाफ उठेगी....।

इसी प्रकार उन्होंने 15 अगस्त 2020 के लालकिले की प्राचीर से अपने राष्ट्रीय संबोधन में कहा था कि- भारत का लगातार प्रयास है कि अपने पड़ोसी देशों के साथ हम अपने सदियों पुराने सांस्कृतिक,आर्थिक और सामाजिक रिश्तों को और गहराई दें। शांति और सौहार्द में मानवता का, पूरी दुनिया का हित है। यहां ध्यान रखने की बात यह है कि विश्व के सर्वाधिक राजनैतिक नेतृत्व का अनुभव रखने वाले व्यक्तित्व के द्वारा जब इस प्रकार की बातें कहीं जाती हैं तो उनके मूल में सदैव सर्वे भवंतु सुखिनः की कामना रहती है। वे विभिन्न मंचों पर वसुधैव कुटुंबकम का उद्घोष करते हैं। विगत वर्षों में कई देशों में प्राकृतिक आपदाएं आई। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वहां तत्काल हर संभव सहायता उपलब्ध करवाई गई। वैश्विक महामारी कोरोना के समय भी उन्होंने विश्व के अनेक देशों को आवश्यक संसाधन, खाद्यान्न एवं दवाइयां उपलब्ध करवाने में अग्रणी भूमिका निभाई। उन्होंने आवाह्न किया- जान भी, जहान भी। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर वे अनेक बार यह स्पष्ट कर चुके हैं कि वसुधैव कुटुंबकम हमारे लिए कोई नारा नहीं है अपितु यह हमारा जीवन दर्शन है जिसके तहत हम पूरे विश्व को परिवार मानते हैं। उन्होंने म्यांमार में 24 जून को आए विनाशकारी भूकंप ने हर तरफ तबाही मचाई है, जिसमें अब तक लगभग हजारों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग घायल हैं। इस भीषण त्रासदी और दुख की घड़ी में भारत ने ऑपरेशन अस्सिटडर शुरू किया है। जिसके अंतर्गत खाद्यान्न, स्वास्थ्य सेवाएं एवं अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाई जा रही है। वेनेजुएला ने प्रधानमंत्री के प्रति कहा है- थैंक यू पीएम मोदी। विगत दिनों साइप्रस की अपनी यात्रा में भी उन्होंने अपने संबोधन में यह दोहराया है कि- यह युद्ध का समय नहीं है। उन्होंने ईरान-इजरायल और यूक्रेन-रूस युद्ध के संदर्भ में कहा है कि- इनका असर दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी होने का खतरा है। प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया यह वक्तव्य निश्चित रूप से सभी की चिंता का द्योतक है। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर आतंकवाद, भ्रष्टाचार, ड्रग्स, अवैध हथियार,मनी लॉन्ड्रिंग, जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक, प्रदूषण, आपसी सहयोग,शांति,विस्तारवाद आदि अनेक ऐसे महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दे एवं चुनौतियों पर न केवल वैश्विक समुदाय का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं अपितु इन समस्याओं के प्रति वैश्विक सहमति बनाने में भी सफल हुए हैं।

मिशन लाइफ उनके नेतृत्व में एक ऐसा विचार अथवा अभियान है जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों से धरती को बचाना है। वर्ष 2022 में अपनी जापान यात्रा के दौरान भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था- मेरा जो लालन-पालन हुआ, मुझे जो संस्कार मिले, जिन-जिन लोगों ने मुझे गढ़ा है उसके कारण मेरी भी एक आदत बन गई है- मुझे मक्खन पर लकीर करने में मजा नहीं आता। मैं पत्थर पर लकीर करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह वक्तव्य उनके संकल्प को दर्शाता है और कठिन से कठिन कार्य यदि जनहित में है तो उसे मिशन मोड में करने की भावना को भी व्यक्त करता है। स्पष्ट है कि विपक्ष द्वारा उनकी आलोचना के मूल में केवल राजनीतिक स्वार्थ और संकुचित दृष्टि रहती है। उनके द्वारा शुरू किया गया मन की बात कार्यक्रम आज न केवल राष्ट्रीय अपितु वैश्विक पटल पर शोध एवं चर्चा का विषय बन चुका है। जहां वे प्रत्येक प्रसारण में जन जागरण, सामान्य व्यक्ति के संघर्षों एवं उपलब्धियों की भिन्न-भिन्न प्रकार से चर्चा करते हैं। वे मन की बात के विभिन्न प्रसारणों में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों, समस्याओं एवं उनके समाधान की भी चर्चा कर चुके हैं। विगत कुछ वर्षों में अनेक योजनाओं एवं महत्वपूर्ण संकल्पों से राष्ट्रीय एवं वैश्विक फलक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युग प्रवर्तक व्यक्तित्व के रूप में उभर रहे हैं उन्हीं की योजना से हमारे कई प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों में जा रहे हैं और उन देशों को आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में हमारी कार्य योजना एवं उनके समर्थन हेतु प्रेरित कर रहे हैं। आतंकवाद के विरुद्ध भारत जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है। रूस-यूक्रेन और अमेरिका-ईरान- इजरायल युद्ध के बीच भी उन्होंने कई बार आवाह्न करते हुए सभी देशों से शांति और बातचीत की अपील की है। ईरान और इजरायल युद्ध के बीच भी उनका संदेश स्पष्ट है- यह युद्ध का समय नहीं है। निसंदेह आज राष्ट्रीय और वैश्विक फलक पर अनेक चुनौतियां सभी देशों के सामने विकराल रूप धारण किए खड़ी हैं। ऐसे में निस्वार्थ भाव से मानवता के कल्याण हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता, उनकी नीति एवं नियत राष्ट्रीय और वैश्विक फलक पर सराही जा रही है। भिन्न-भिन्न देशों द्वारा उन्हें दिए जा रहे सर्वोच्च सम्मान इनके व्यक्तित्व- कृतित्व और मानवता हेतु उनके विचारों की स्वीकृति के प्रमाण हैं।(युवराज फीचर्स)

श्चिम बंगाल सहित देश भर में बढ़ता ही जा रहा है भाजपा का कुनबा

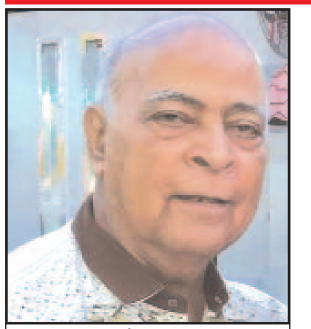

अशोक भाटिया

भारतीय राजनीति के समकालीन इतिहास में एक नया अध्याय लिखा जा रहा है, जहाँ राष्ट्रीय क्षितिज पर भारतीय जनता पार्टी का कुनबा न केवल मजबूत हुआ है, बल्कि अजेय होने की दिशा में बढ़ रहा है। कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से कामरूप तक फैला भाजपा का यह संगठन अब उन दुर्गों को भी ध्वस्त कर चुका है, जो कभी अभेद्य माने जाते थे। इस राजनीतिक विस्तारवाद और कूटनीतिक कौशल का सबसे जीवंत और समकालीन उदाहरण पश्चिम बंगाल बनकर उभरा है। हालिया विधानसभा चुनावों में मिली दो-तिहाई बहुमत की ऐतिहासिक जीत (207 सीटें) और उसके बाद मुख्य विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस में मची ऐतिहासिक भगदड़ ने यह सिद्ध कर दिया है कि देश में वैचारिक और ढांचागत राजनीति का संतुलन पूरी तरह बदल चुका है। विपक्ष का यह बिखराव और भाजपा के कुनबे का निरंतर विस्तार केवल सत्ता की ललक नहीं, बल्कि भारतीय जनमानस के भीतर गहरे तक पैठ बना चुके वैचारिक बदलाव का संकेत है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से अपनी वैचारिक कट्टरता, कैडर-आधारित संरचना और संस्थागत हिंसा के लिए जानी जाती रही है। तीन दशकों से अधिक का वामपंथी शासन और उसके बाद डेढ़ दशक का ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी का राज–दोनों ने ही राज्य में एक विशेष 'वोट-बैंक' और तुष्टिकरण की राजनीति को पोषित किया था। लेकिन शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा ने जिस प्रकार जमीनी स्तर पर संघर्ष किया, उसने इस अभेद्य दुर्ग की नींव हिला दी।

2026 के विधानसभा चुनाव परिणाम इस बात के गवाह हैं कि बंगाल की जनता अब परिवर्तन की एक नई परिभाषा चाहती थी। सत्ता में आते ही भाजपा सरकार ने जो विधायी और नीतिगत कदम उठाए–चाहे वह समान नागरिक संहिता को लागू करने की तैयारी हो, अवैध घुसपैठ पर कड़ा नियंत्रण हो, या अल्पसंख्यक मामलों के बजट में 60% से अधिक की कटौती करके 'तुष्टिकरण रहित विकास' का मॉडल पेश करना हो–इन सबने विपक्षी खेमे में भारी वैचारिक संकट पैदा कर दिया है।

राजनीति में जब किसी दल की विचारधारा और सत्ता दोनों कमजोर पड़ती हैं, तो उसका सांगठनिक ढांचा ताश के पत्तों की तरह ढह जाता है। पश्चिम बंगाल में ठीक यही स्थिति बनी हुई है। टीएमसी के तीन वरिष्ठ पूर्व राज्यसभा सांसद–सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बड़ाईक–का सामूहिक रूप से पार्टी छोड़ना और कोलकाता में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमीक भट्टाचार्य की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करना, टीएमसी के ताबूत में आखिरी कील साबित हो रहा है। टीएमसी के तीन वरिष्ठ पूर्व राज्यसभा सांसद–सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बड़ाईक को अब भाजपा ने राज्यसभा की टिकट देकर संगठन को मजबूत किया है ।

यह दलबदल केवल साधारण नेताओं का नहीं है। ये टीएमसी के वो चेहरे थे जो राष्ट्रीय स्तर पर ममता बनर्जी की नीतियों की वकालत करते थे। इसके अतिरिक्त, टीएमसी के भीतर एक बड़ी बगावत का नेतृत्व कर रहे रीताब्रत बनर्जी के गुट में 80 में से कम से कम 65 टीएमसी विधायकों का शामिल होना और उन्हें विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता मिलना यह दर्शाता है कि ममता बनर्जी का क्षेत्रीय तिलस्म पूरी तरह टूट चुका है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा के कुनबे के विस्तार का सबसे बड़ा ईंधन उसकी ₹सनातन-संचालित विकास नीति₹ है। वर्षों से जो बहुसंख्यक समाज राज्य में खुद को उपेक्षित और असुरक्षित महसूस कर रहा था, उसे भाजपा के नए बजट और नीतियों में एक नई आवाज मिली है। राज्य के बजट में 'वंदे मातरम संग्रहालय' की स्थापना, संस्कृत के संवर्धन के लिए ?50 करोड़ का आवंटन और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मंदिर कॉरिडोर का निर्माण शामिल है।इमामों और मुअज्जिनों के वजीफे में कटौती तथा मदरसों के बजट को सीमित कर उसे मुख्यधारा की शिक्षा (जैसे विवेकानंद छात्रवृत्ति) और सरकारी कर्मचारियों के लिए 20% महंगाई भत्ते की बढ़ोतरी में लगाना एक बड़ा नीतिगत बदलाव है।इसी वैचारिक स्पष्टता के कारण असम, त्रिपुरा और ओडिशा के बाद अब पश्चिम बंगाल के लोग भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय विकास मॉडल और राष्ट्रवाद पर पूरी तरह भरोसा जता रहे हैं।

बंगाल तो केवल एक सिरा है; वास्तव में पूरे देश में भाजपा का सांगठनिक कुनबा अप्रत्याशित रूप से बढ़ रहा है।कृषि आंदोलनों और पारंपरिक राजनीतिक गतिरोधों को पीछे छोड़ते हुए पंजाब और हरियाणा में विपक्षी दलों के पूर्व सांसद, सरपंच और जमीनी कार्यकर्ता लगातार भाजपा का दामन थाम रहे हैं।ओडिशा में बीजद के बिखराव और असम में कांग्रेस के पतन ने भाजपा को पूर्व भारत का निर्विवाद नेता बना दिया है।बंगाल के इस दलबदल और आगामी राज्यसभा उपचुनावों में भाजपा की क्लीन स्वीप की संभावनाओं ने उच्च सदन में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को दो-तिहाई बहुमत के बेहद करीब पहुंचा दिया है। इससे सरकार के लिए बड़े संवैधानिक सुधारों का रास्ता साफ हो जाएगा।

यह बात भी ध्यान देने योग्य है कि किसी भी दल का असीमित विस्तार अपने साथ कुछ गंभीर सांगठनिक चुनौतियाँ भी लेकर आता है। भाजपा आज जिस दौर से गुजर रही है, वहाँ उसे 'अंतर्विरोधों के प्रबंधन' पर विशेष ध्यान देना होगा ।जब दूसरी पार्टियों के नेता थोक के भाव किसी सत्ताधारी दल में शामिल होते हैं, तो पार्टी के मूल कैडर में असंतोष पनपने का खतरा रहता है। ₹कल के विरोधी आज के माननीय₹ बन जाते हैं, जिससे वैचारिक निष्ठा कमजोर हो सकती है।विपक्ष से आने वाले नेताओं पर अक्सर भ्रष्टाचार के आरोप होते हैं। भाजपा को यह सुनिश्चित करना होगा कि सत्ता के इस विस्तार में उसकी 'भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस' वाली छवि धूमिल न हो।चुनाव जीतना और सरकार चलाना दो अलग-अलग कलाएं हैं। पश्चिम बंगाल जैसे आर्थिक रूप से तनावग्रस्त और कर्ज में डूबे राज्य को विकास की पटरी पर लाना, उद्योगों को जबरन वसूली से मुक्त कराना और कानून व्यवस्था बनाए रखना एक अत्यंत कठिन कार्य है।

पश्चिम बंगाल सहित देश भर में भाजपा के बढ़ते कुनबे को केवल चुनावी अंकगणित के चश्मे से नहीं देखा जा सकता। यह भारतीय राजनीति के केंद्र बिंदु का पूर्ण विस्थापन है। कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों का पुराना धर्मनिरपेक्षता और तुष्टिकरण का मॉडल अब अपनी प्रासंगिकता खो चुका है। जनता अब एक स्थिर, राष्ट्रवादी और विकासोन्मुखी विकल्प चाहती है। सत्तारूढ़ दल के रूप में भाजपा के लिए यह विस्तार जहाँ उसकी रणनीतिक जीत है, वहीं एक ऐतिहासिक जिम्मेदारी भी है। यदि पार्टी अपने मूल सांगठनिक मूल्यों को बनाए रखते हुए इन नए चेहरों को आत्मसात कर पाती है, तो आने वाले कई दशकों तक भारतीय राजनीति के केंद्र में उसकी स्थिति को चुनौती देना किसी भी विपक्ष के लिए असंभव होगा। बंगाल की खाड़ी से उठी यह राजनीतिक लहर इस बात का स्पष्ट उद्घोष है कि भारत अब एक नए और सुदृढ़ राजनीतिक युग में प्रवेश कर चुका है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल और देश के अन्य राज्यों में चल रहा मौजूदा दलबदल और सांगठनिक विस्तार केवल तात्कालिक राज्य सरकारों को मजबूती देने तक सीमित नहीं है। इसका सीधा और सबसे बड़ा असर 2029 के आगामी आम चुनाव (19वीं लोकसभा) के रणनीतिक ताने-बाने पर पड़ने वाला है। भारतीय जनता पार्टी (इखढ) जिस प्रकार अभी से अपने कुनबे को बढ़ा रही है, वह वास्तव में 2029 के चक्रव्यूह को अभेद्य बनाने की एक दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है।

2029 के आम चुनाव के दृष्टिकोण से इस सांगठनिक विस्तार के पांच सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक प्रभाव इस प्रकार होंगेःविकल्पहीनता की स्थितिः चुनाव से तीन साल पहले ही विपक्ष के बड़े राष्ट्रीय और क्षेत्रीय चेहरों (जैसे टीएमसी के राज्यसभा सांसद और विधायक) का टूटकर भाजपा में आना आम जनता के बीच एक बड़ा मनोवैज्ञानिक संदेश देता है।अजेय छविः जनता में यह नैरेटिव मजबूत होता जा रहा है कि विपक्ष के पास न तो कोई ठोस एजेंडा है और न ही स्थिरता। यह स्थिति 2029 तक विपक्ष को नेतृत्व विहीन और पूरी तरह पंगु बना सकती है।कमजोर सीटों पर फोकसः भाजपा उन राज्यों और लोकसभा सीटों पर अपना कुनबा तेजी से बढ़ा रही है जहाँ पारंपरिक रूप से वह कमजोर रही है।बंगाल और दक्षिण का किलाः पश्चिम बंगाल में टीएमसी के सांगठनिक ढांचे को ध्वस्त करके और दक्षिण भारत में क्षेत्रीय दलों के असंतुष्ट नेताओं को शामिल करके भाजपा 2029 के लिए अपनी सीटों का नया बैकअप तैयार कर रही है। यदि उत्तर भारत में किसी एंटी-इन्कंबेंसी (सत्ता विरोधी लहर) के कारण कुछ सीटों का नुकसान होता भी है, तो पूर्वी और दक्षिणी भारत के नए गढ़ उसकी भरपाई कर देंगे।

स्पष्ट है कि बंगाल और अन्य राज्यों में होने वाले आगामी राज्यसभा उपचुनावों में क्लीन स्वीप करने के बाद, संसद के उच्च सदन में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन दो-तिहाई बहुमत के बेहद करीब पहुंच जाएगा। इस भारी संख्या बल के कारण सरकार 'वन नेशन, वन इलेक्शन' जैसे बड़े संवैधानिक सुधारों को आसानी से पारित करा सकती है। यदि यह कानून लागू होता है, तो 2029 में देश में लोकसभा और सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ होंगे, जिसका सीधा लाभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक चेहरे और भाजपा के विशाल कैडर को मिलेगा।

राजनीति में केवल बड़े नेता ही नहीं, बल्कि उनके साथ आने वाले जिला अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख और बूथ स्तर के कार्यकर्ता असली ताकत होते हैं।टीएमसी, कांग्रेस और अन्य क्षेत्रीय दलों के जमीनी सिपहसालारों के भाजपा में चले जाने से विपक्षी दलों के पास 2029 के आम चुनाव में पोलिंग बूथों पर एजेंट खड़े करने और वोटर्स को घर से निकालने वाले 'मैनपावर' का भारी संकट खड़ा हो जाएगा। भाजपा ने पश्चिम बंगाल सहित पूरे देश में अपनी 'सनातन-संचालित विकास नीति' और 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' के एजेंडे को 2029 के लिए मुख्य पिच बना दिया है।विपक्षी दल अभी तक इस असमंजस में हैं कि वे भाजपा के इस सांस्कृतिक और विकासवादी राष्ट्रवाद का मुकाबला किस नैरेटिव से करें। वैचारिक स्पष्टता की यह कमी 2029 के चुनाव में भाजपा के लिए राह को बेहद आसान बना देगी।

जहाँ हनुमान मंदिर नहीं, निंबा दैत्य महाराज के आगे झुकते हैं श्रद्धा के सिर

-सुरेश गांधी

भारत को यदि आस्थाओं का महासागर कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यहाँ हर कुछ कोस पर देवता बदलते हैं, हर पर्वत, हर नदी, हर वृक्ष और हर ग्राम की अपनी एक कथा है। यही लोककथाएँ नया रूप लेती हैं और परंपराएँ इतिहास से कहीं अधिक गहरी जड़ें जमाए दिखाई देती हैं। इसी विराट सांस्कृतिक विरासत के बीच महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले का एक छोटा-सा गाँव दैत्यनंदूर सदियों से एक ऐसे लोकविश्वास को संजोए हुए है, जो पहली बार सुनने वाले को न सिर्फ आश्चर्य में डाल देता है बल्कि अपनी अनोखी परंपरा के कारण पूरे देश का ध्यान आकर्षित करता है। यहाँ पूजा किसी देव, ऋषि या महापुरुष की नहीं, बल्कि निंबा दैत्य महाराज की होती है। यह केवल एक मंदिर की कथा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस व्यापक दृष्टि का साक्ष्य है, जहाँ सम्मान का आधार केवल जन्म नहीं, बल्कि लोककल्याण, तप, मयार्दा और जनस्वीकृति भी है। यहाँ किसी का मूल्यांकन केवल उसके जन्म से नहीं, बल्कि उसके आचरण, तप, लोककल्याण और आत्मपरिवर्तन से भी होता है।

यही कारण है कि अनेक स्थानों पर ऐसे पात्र भी लोकदेवता बन गए, जिनकी कथा सामान्य धार्मिक धारणाओं से भिन्न है। और यही कारण है कि निंबा दैत्य महाराज आज इस क्षेत्र के ग्रामरक्षक, कुलदेवता और लोकआस्था के केंद्र माने जाते हैं। दैत्यनंदूर का यह मंदिर उसी सांस्कृतिक उदारता का जीवंत प्रतीक है। स्थानीय लोगों के लिए निंबा दैत्य महाराज केवल किसी पुराण की कथा नहीं, बल्कि ग्रामरक्षक, कुलदेवता और संकटमोचक हैं। पीढ़ियाँ बदलती रहीं, लेकिन आस्था की यह लौ कभी मंद नहीं हुई। गुड़ी पड़वा के अवसर पर उमड़ने वाला विशाल जनसमुदाय, पीढ़ियों से चली आ रही लोककथाएँ और परंपराओं के प्रति अटूट निष्ठा इस बात का प्रमाण हैं कि आधुनिकता की तेज रफ्तार भी उन सांस्कृतिक धरोहरों को मिटा नहीं सकी है, जिन्हें समाज ने अपने विश्वास से सींचा है। दैत्यनंदूर का यह अध्याय केवल महाराष्ट्र की पहचान नहीं, बल्कि भारतीय लोकसंस्कृति की उस जीवंत परंपरा का दर्पण है, जहाँ आस्था सीमाएँ नहीं खींचती, बल्कि उन्हें जोड़ती है।

गाँव के बुजुर्गों के अनुसार निंबा दैत्य अत्यंत शक्तिशाली थे। लोककथाओं में वर्णित है कि कठोर तप, आत्मसंयम और लोकहित की भावना के कारण उन्हें विशेष सम्मान प्राप्त हुआ। समय के साथ लोगों ने उन्हें रक्षक देव के रूप में स्वीकार कर लिया। इतिहास और लोकविश्वास की सीमाएँ भले अलग-अलग हों, पर ग्रामीण समाज में यह विश्वास आज भी उतनी ही दृढ़ता से जीवित है। इस गाँव की सबसे अधिक चर्चा जिस परंपरा को लेकर होती है, वह है हनुमान मंदिर का न होना। स्थानीय मान्यता के अनुसार यहाँ मारुति अथवा हनुमान का मंदिर स्थापित नहीं किया गया। इस परंपरा के पीछे कई लोककथाएँ प्रचलित हैं, जिनका उल्लेख ग्रामीण बड़े श्रद्धाभाव से करते हैं। इतिहासकार इन कथाओं को लोकविश्वास का हिस्सा मानते हैं, जबकि ग्रामीण इन्हें अपनी सांस्कृतिक पहचान के रूप में संजोए हुए हैं। यही भारतीय लोकजीवन की विशेषता है–जहाँ विश्वास और परंपरा पीढ़ियों तक समाज की स्मृति में जीवित रहते हैं। गुड़ी पड़वा के अवसर पर यहाँ लगने वाला विशाल मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि लोकसंस्कृति का महाकुंभ बन जाता है। दूर-दूर से श्रद्धालु पहुँचते हैं। अभिषेक, महाआरती, पालखी यात्रा, भजन-कीर्तन, पारंपरिक कुश्ती प्रतियोगिताएँ और ग्रामीण संस्कृति की विविध झलकियाँ पूरे वातावरण को उत्सवमय बना देती हैं। ऐसा प्रतीत होता है मानो पूरा गाँव अपनी सामूहिक स्मृतियों का उत्सव मना रहा हो।

क्या कोई ऐसा गाँव भी हो सकता है जहाँ हनुमान मंदिर न हो और सदियों से एक दैत्य की पूजा होती हो? पहली नजर में यह प्रश्न अविश्वसनीय लगता है, लेकिन महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले का दैत्यनंदूर गाँव इसी अनोखी लोकपरंपरा के कारण देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय जनश्रुतियों के अनुसार यहाँ निंबा दैत्य महाराज ग्रामदेवता और अनेक परिवारों के कुलदेवता हैं। ग्रामीणों का विश्वास है कि उनकी कृपा से गाँव की रक्षा होती है और सुख-समृद्धि बनी रहती है। यही कारण है कि पीढ़ियों से यहाँ श्रद्धा का केंद्र निंबा दैत्य महाराज हैं। गाँव में हनुमान मंदिर का अभाव भी इसी लोकविश्वास से जोड़ा जाता है। धर्म विशेषज्ञ इन मान्यताओं को लोकसंस्कृति का हिस्सा मानते हैं, जबकि ग्रामीण इन्हें अपनी पहचान और विरासत के रूप में संजोए हुए हैं। भारतीय संस्कृति की यही विशेषता है कि वह विविध आस्थाओं और परंपराओं को अपने भीतर स्थान देती है। दैत्यनंदूर का यह अनूठा अध्याय उसी समावेशी सांस्कृतिक चेतना का जीवंत उदाहरण है

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी समावेशी दृष्टि रही है। यहाँ विरोधी पात्र भी समय के साथ लोकआस्था का हिस्सा बन जाते हैं। कहीं महाबली राजा बलि का सम्मान होता है, कहीं विभीषण धर्मनिष्ठा के प्रतीक बनते हैं, तो कहीं लोकविश्वास निंबा दैत्य महाराज को ग्रामरक्षक का स्थान देता है। यह परंपरा हमें बताती है कि भारतीय सभ्यता केवल देवताओं की आराधना तक सीमित नहीं, बल्कि चरित्र, तप, त्याग और लोककल्याण के मूल्यों का भी सम्मान करती है। आज जब आधुनिकता के बीच अनेक लोकपरंपराएँ धीरे-धीरे विस्मृत हो रही हैं, तब दैत्यनंदूर का यह मंदिर हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौटने का संदेश देता है। यह स्थान बताता है कि भारत की आत्मा केवल विशाल मंदिरों, भव्य तीर्थों और राजसी स्थापत्य में नहीं बसती, बल्कि उन छोटे-छोटे गाँवों में भी धड़कती है जहाँ सदियों से लोकविश्वास बिना किसी प्रचार के जीवित है।

निंबा दैत्य महाराज की कथा चाहे लोककथा हो, किंवदंती हो या ग्रामीण परंपरा–इसका सबसे बड़ा संदेश यही है कि भारतीय संस्कृति में आस्था का अर्थ संकीर्णता नहीं, बल्कि व्यापकता है। यहाँ श्रद्धा का केंद्र केवल शक्ति नहीं, बल्कि समाज के प्रति समर्पण, संरक्षण और लोककल्याण की भावना भी है। यही कारण है कि महाराष्ट्र का यह छोटा-सा गाँव आज भी यह संदेश देता है कि भारत की सांस्कृतिक विरासत जितनी प्राचीन है, उतनी ही उदार भी। यही उदारता उसे विश्व की सबसे विशिष्ट सभ्यताओं में स्थान दिलाती है। निंबा दैत्य महाराज से जुड़ी अधिकांश कथाएँ स्थानीय लोकमान्यताओं और जनश्रुतियों पर आधारित हैं। इनके विभिन्न संस्करण प्रचलित हैं। इन्हें ऐतिहासिक तथ्य के रूप में नहीं, बल्कि भारतीय लोकसंस्कृति और ग्रामीण आस्था की महत्वपूर्ण विरासत के रूप में देखा जाना चाहिए। गाँव में हनुमान मंदिर नहीं है। इस संबंध में स्थानीय लोकमान्यताएँ प्रचलित हैं, जिन्हें ग्रामीण अपनी सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा मानते हैं। वैसे भी भारत की आत्मा उसकी विविधता में बसती है। जहाँ एक ओर भव्य ज्योतिर्लिंग और शक्तिपीठ हैं, वहीं दूसरी ओर दैत्यनंदूर जैसे गाँव यह बताते हैं कि लोकआस्था का संसार कहीं अधिक व्यापक, उदार और जीवन्त है। निंबा दैत्य महाराज की परंपरा उसी सांस्कृतिक विराटता की सशक्त अभिव्यक्ति है।

समुद्र पर बनेगा भारत का पहला हवाई अड्डा

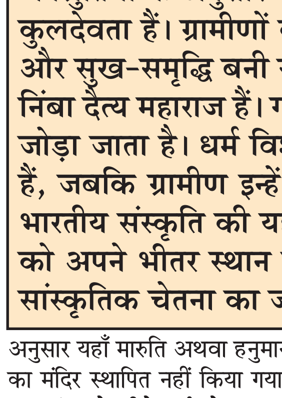

- महेन्द्र तिवारी

महाराष्ट्र सरकार ने भारत के पहले समुद्र आधारित यानी ऑफशोर हवाई अड्डे के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। यह प्रस्तावित एयरपोर्ट मुंबई के निकट पालघर जिले के कोरे बीच के पास अरब सागर में पुनर्निर्मित भूमि पर विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिए हैं। यदि यह परियोजना निर्धारित योजना के अनुसार साकार होती है तो यह केवल महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि पूरे देश के विमानन इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ देगी। यह भारत की उस सोच का प्रतीक होगी जिसमें सीमित भूमि संसाधनों के बीच आधुनिक तकनीक और दूरदर्शी योजना के माध्यम से भविष्य की आवश्यकताओं का समाधान खोजा जा रहा है।

दुनिया के कुछ देशों जैसे जापान, हांगकांग और दक्षिण कोरिया में समुद्र के ऊपर बने हवाई अड्डे सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। भारत में पहली बार इस प्रकार का प्रयोग प्रस्तावित किया गया है। इस एयरपोर्ट का निर्माण समुद्र से पुनः प्राप्त भूमि पर होगा, जिससे महानगरों के आसपास भूमि अधिग्रहण की जटिलताओं को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। साथ ही, भविष्य में विस्तार की संभावनाएं भी अधिक रहेंगी। यह परियोजना भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और आधुनिक अवसंरचना निर्माण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

प्रस्तावित एयरपोर्ट की क्षमता भी अत्यंत प्रभावशाली है। योजना के अनुसार यहां प्रतिवर्ष लगभग 9 करोड़ यात्रियों की आवाजाही और 30 लाख मीट्रिक टन कार्गो का संचालन किया जा सकेगा। इसके लिए दो समानांतर रनवे विकसित किए जाने की योजना है। इतनी बड़ी क्षमता वाला हवाई अड्डा आने वाले दशकों में मुंबई महानगर क्षेत्र की बढ़ती हवाई यातायात आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वर्तमान में मुंबई का छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अपनी अधिकतम क्षमता के करीब पहुंच चुका है, जबकि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी भविष्य की बढ़ती मांग को देखते हुए पर्याप्त नहीं माना जा रहा। ऐसे में यह नया ऑफशोर एयरपोर्ट दीर्घकालिक समाधान के रूप में सामने आ सकता है।

इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका बहुआयामी संपर्क तंत्र है। प्रस्तावित एयरपोर्ट को वधावन बंदरगाह, मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड रेल, मुंबई वडोदरा एक्सप्रेसवे तथा प्रस्तावित उत्तन विरार सी लिंक से जोड़ने की योजना बनाई गई है। इससे यात्रियों और माल परिवहन दोनों को अभूतपूर्व सुविधा मिलेगी। समुद्री, रेल और सड़क परिवहन का यह समन्वय पश्चिमी भारत को एक शक्तिशाली मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स हब में बदल सकता है। इससे आयात, निर्यात और औद्योगिक गतिविधियों को भी नई गति मिलने की संभावना है।

आर्थिक दृष्टि से भी इस परियोजना का महत्व अत्यधिक है। एयरपोर्ट के निर्माण के दौरान हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। निर्माण सामग्री, परिवहन, होटल, पर्यटन, सेवा क्षेत्र और छोटे उद्योगों को भी इसका लाभ प्राप्त होगा। परियोजना पूरी होने के बाद पालघर जिले में निवेश बढ़ने, नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। इससे क्षेत्रीय असंतुलन कम करने और पश्चिमी तट के आर्थिक विकास को नई दिशा देने में सहायता मिलेगी।

हालांकि इतनी विशाल परियोजना के साथ अनेक चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। समुद्री पारिस्थितिकी, पर्यावरणीय प्रभाव, तटीय जैव विविधता, मत्स्य व्यवसाय तथा जलवायु परिवर्तन से जुड़े जोखिमों का गहन अध्ययन आवश्यक होगा। समुद्र में भूमि निर्माण, तटीय संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना किसी भी ऑफशोर परियोजना की सबसे बड़ी परीक्षा होती है। इसलिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन और पर्यावरणीय आकलन इस परियोजना की सफलता की आधारशिला होंगे।

भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और आने वाले वर्षों में हवाई यात्रा की मांग लगातार बढ़ने वाली है। ऐसे समय में भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाई गई यह परियोजना दूरदर्शी सोच का परिचायक है। यदि सभी तकनीकी, आर्थिक और पर्यावरणीय पहलुओं का संतुलित समाधान निकाला जाता है तो पालघर का यह ऑफशोर एयरपोर्ट केवल एक नया हवाई अड्डा नहीं रहेगा, बल्कि भारत की आधुनिक अवसंरचना, तकनीकी क्षमता और वैश्विक महत्वाकांक्षाओं का सशक्त प्रतीक बनकर उभरेगा। यह परियोजना आने वाले दशकों में देश की विमानन व्यवस्था, व्यापार, निवेश और क्षेत्रीय विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की क्षमता रखती है।

पालघर के खिलाड़ियों को दिया जायेगा हरसंभव प्रोत्साहन: जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखड़

पालघर (उत्तरशक्ति)। खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए कई बार व्यक्तिगत जीवन में अनेक समझौते करने पड़ते हैं और यही समर्पण उन्हें भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाता है। इसलिए खिलाड़ियों को अपने खेल पर पूरा ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह बात पालघर की जिलाधिकारी एवं जिला क्रीड़ा परिषद की अध्यक्ष डॉ. इंदूराणी जाखड़ ने जिला परिषद सभागार में आयोजित जिले के खेल शिक्षकों की बैठक में कही। जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय की ओर से आयोजित इस बैठक में सांसद डॉ. हेमंत सवरा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानाडे, माध्यमिक शिक्षा अधिकारी अशोक पाटील, जिला क्रीड़ा अधिकारी सुहास वनमाने, अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी गिरीश इर्नाक, जेएसडब्ल्यू सीएसआर प्रमुख सुधीर तेलंग, विजयराज, सुहास देशपांडे सहित अनेक अधिकारी व खेल शिक्षक उपस्थित थे। जिलाधिकारी डॉ. जाखड़ ने कहा कि खिलाड़ियों के साथ-साथ उनके परिवारों को भी कई त्याग करने पड़ते हैं। उन्होंने आश्रम विद्यालयों, सरकारी विद्यालयों और निजी विद्यालयों में खेलों में समान भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि जिले में प्रस्तावित क्रीड़ा संकुल को जल्द शुरू करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। पिछले वर्ष जिले के करीब 69 हजार विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया, जो पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने जिले की सभी खेल प्रतियोगिताओं को पूरी पारदर्शिता के साथ आयोजित करने के निर्देश भी दिए। सांसद डॉ. हेमंत सवरा ने कहा कि आज पालघर जिले ने खेल क्षेत्र में जो सफलता हासिल की है, उसमें खेल शिक्षकों की अथक मेहनत का बड़ा योगदान है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 983 खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जिनमें से पालघर के खिलाड़ियों ने 47 पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। इसके अलावा विश्व योग प्रतियोगिता में भी जिले के खिलाड़ी ने स्वर्ण पदक हासिल किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में जिले में पेशेवर खेलों का तेजी से विकास होगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानाडे ने कहा कि पिछले वर्ष जिले की लगभग 700 से 750 स्कूलों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया था। जिला परिषद के अंतर्गत करीब 3300 स्कूल हैं और इस वर्ष कम से कम 700 से 800 स्कूलों की भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि जिले में खेलों में भागीदारी का आंकड़ा बढ़कर 1500 तक पहुंचना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान अंतरराष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले विधीश राऊत तथा राज्य स्तरीय पदक विजेता तनुशी गडग और भावना मीना का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन किरण थोरात ने किया।

सैमसंग गैलेक्सी फोल्डेबल सीरीज के लिए प्री-रिजर्वेशन शुरू

मुंबई। सैमसंग ने भारत में अपनी अगली गैलेक्सी फोल्डेबल स्मार्टफोन सीरीज के लिए प्री-रिजर्वेशन शुरू करने की घोषणा की है। ग्राहक इन नए फोल्डेबल डिवाइसों को ग्लोबल लॉन्च से पहले प्री-रिजर्व कर सकते हैं। ग्राहक 999 रुपये की रिफंडेबल टोकन राशि देकर आगामी गैलेक्सी फोल्डेबल स्मार्टफोन्स का प्री-रिजर्वेशन कर सकते हैं। यह सुविधा सैमसंग.कॉम, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, अमेजन.इन, फ्लिपकार्ट.कॉम और देशभर के प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है। प्री-रिजर्वेशन करने वाले ग्राहकों को डिवाइस खरीदने पर 2,799 रुपये तक के विशेष लाभ मिलेंगे। सैमसंग ने अपनी फोल्डेबल डिवाइसों को लगातार और अधिक पतला, हल्का और मजबूत बनाया है, साथ ही इनके उपयोग अनुभव को भी बेहतर किया है। कंपनी के अनुसार, अगली पीढ़ी की गैलेक?सी फोल्डेबल सीरीज में उन्नत एआई क्षमताओं और नए डिजाइन का मेल देखने को मिलेगा, जिससे उपयोगकताओं को अधिक व्यक्तिगत और सहज अनुभव मिल सकेगा। यह एआई आधारित मोबाइल अनुभव को एक नए स्तर पर ले जाने की दिशा में सैमसंग का अगला कदम है। गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट का आयोजन 22 जुलाई को लंदन (यू.के.) में किया जाएगा। इस इवेंट का सीधा प्रसारण भारतीय समयानुसार शाम 6:30 बजे से सैमसंग.कॉम, सैमसंग न्यूजरूम और सैमसंग के यूट्यूब चैनल पर देखा जा सकेगा।

22 जुलाई को बहुप्रतीक्षित गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट का आयोजन

मुंबई। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स 22 जुलाई को ब्रिटेन की राजधानी लंदन, जोकि दुनिया के प्रमुख ट्रेंडसेटर शहरों में शामिल है, में अपने बहुप्रतीक्षित गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट का आयोजन करेगा। इस दौरान कंपनी अपनी गैलेक्सी सीरीज के नए डिवाइस पेश करेगी, जिन्होंने फोल्डेबल स्मार्टफोन श्रेणी को नई पहचान दी है। कंपनी के अनुसार, नई पीढ़ी के गैलेक्सी डिवाइस उन्नत एआई क्षमताओं और नए डिजाइन के साथ आएंगे, जो उपयोगकताओं को पहले से अधिक व्यक्तिगत, स्मार्ट और सहज अनुभव देंगे। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण 22 जुलाई को शाम 6:30 बजे (भारतीय समयानुसार) Samsung.com, सैमसंग न्यूजरूम इंडिया और सैमसंग के यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा। इच्छुक ग्राहक samsung.com/unpacked पर रजिस्ट्रेशन कर गैलेक्सी अनपैक्ड जुलाई 2026 से पहले मिलने वाले विशेष ऑफर, टीजर, ट्रेलर और अन्य अपडेट प्राप्त कर सकते हैं।

खांसी से राहत के लिए सुरक्षित आयुर्वेदिक समाधानों की ओर बढ़ता रुझान: वैद्य सुजाता चौधरी

मुंबई/पटना। वैद्य सुजाता चौधरी के अनुसार बदलती जीवनशैली, बढ़ते प्रदूषण स्तर और लगातार बदलते मौसम के कारण खांसी आज भारतीय परिवारों में सबसे आम स्वास्थ्य समस्याओं में से एक बन गई है। यद्यपि अधिकांश हल्की से मध्यम खांसी का प्रबंधन ओवर-द-काउंटर दवाओं से किया जा सकता है, लेकिन आज उपभोक्ता उन उत्पादों के प्रति कहीं अधिक जागरूक और सजग हो गए हैं, जिनका वे अपने स्वास्थ्य के लिए चयन करते हैं। वे ऐसी खांसी से राहत देने वाली दवाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं जो न केवल प्रभावी हों, बल्कि सुरक्षित, विश्वसनीय और समय-परीक्षित भी हों। हाल के समय में ऐसी रिपोर्टों के सामने आने के बाद उपभोक्ताओं में जागरूकता और सतर्कता काफी बढ़ी है, जिनमें कुछ खांसी के सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकोल और एथिलीन ग्लाइकोल जैसे विषैले औद्योगिक रसायनों की मौजूदगी पाई गई थी। उपभोक्ता सुरक्षा पर बढ़ते इस नए फोकस को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने सिरप निर्माण और गुणवत्ता नियंत्रण पर नियामकीय निगरानी को और सुदृढ़ बनाने के लिए औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमों में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। सुरक्षा और गुणवत्ता पर बढ़ते इस जोर के कारण अधिक से अधिक उपभोक्ता आयुर्वेदिक खांसी उपचारों को अपनाने लगे हैं। जहां पारंपरिक खांसी के सिरप औषधीय सक्रिय तत्वों से तैयार किए जाते हैं, वहीं आयुर्वेदिक कफ सिरप तुलसी, मुलेठी, सोंठ और बनफशा जैसी समय-परीक्षित औषधीय जड़ी-बूटियों से निर्मित होते हैं। इन प्राकृतिक अवयवों का उपयोग आयुर्वेद में पीढ़ियों से गले को आराम पहुंचाने, श्वसन तंत्र के स्वास्थ्य को समर्थन देने और खांसी से राहत प्रदान करने के लिए किया जाता रहा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा द्वारा स्टार्टअप फ्रंटियर 1.0 कार्यशाला का उद्घाटन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ज्ञान को नवोन्मेषी समाधानों में, चुनौतियों को अवसरों में तथा विचारों को उद्योगों में रूपांतरित करने की क्षमता ही आज की आर्थिक प्रगति की वास्तविक शक्ति है। इसलिए विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाले संस्थान न रहकर नवाचार, बौद्धिक संपदा, स्टार्टअप्स तथा सामाजिक परिवर्तन के केंद्रों के रूप में विकसित हों, ऐसा प्रतिपादन मा. राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्माजी ने किया। यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान में कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग के अंतर्गत रतन टाटा महाराष्ट्र राज्य कौशल विश्वविद्यालय तथा आई स्पार्क फाउंडेशन द्वारा आयोजित दिवसीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी स्टार्टअप फ्रंटियर 1.0 का उद्घाटन राज्यपाल के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मनीषा वर्मा, रतन टाटा महाराष्ट्र राज्य कौशल विश्वविद्यालय की कुलगुरु डॉ. अपूर्वा पालकर, एचपी इंडिया की वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक इप्सिता दासगुप्ता, कौशल विकास आयुक्त डॉ. अमित सैनी, राज्यपाल के सचिव डॉ. प्रशांत नारनवरे, राज्यपाल सचिवालय के सहसचिव एस. राममूर्ति, महाराष्ट्र राज्य नवाचार सोसायटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. श्रीकांत पाटील, व्यवसाय एवं प्रशिक्षण संचालनालय के संचालक सतीश सूर्यवंशी, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. वैभव नारवडे तथा

उद्योग जगत के गणमान्य व्यक्तियों, निवेशकों, मार्गदर्शकों, उद्यमियों, स्टार्टअप्स, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर मा. राज्यपाल के करकमलों द्वारा मेडिकल लैब तथा एचपी क्रिएटिव गैरेज लैब का उद्घाटन भी किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु डॉ. अपूर्वा पालकर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का संदेश पढ़कर सुनाया। महाराष्ट्र के विद्यार्थियों के लिए उद्योग-संबंधित कौशल विकास कार्यक्रम संचालित करने के उद्देश्य से रतन टाटा महाराष्ट्र राज्य कौशल विश्वविद्यालय एवं आईआईटी मद्रास के बीच गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अंतर्गत ऑनलाइन शिक्षा, प्रमाणपत्र, इंटर्नशिप तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। 'वर्टिव' कंपनी के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधि से एक निःशुल्क कौशल विकास कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। इसके अंतर्गत महाराष्ट्र के 1,500 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा मैकेनिकल शाखाओं के वर्ष 2026 में उत्तीर्ण तथा वर्ष 2027 में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा। प्रशिक्षण के अंतर्गत डेटा सेंटर ऑपरेशंस एवं इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट, क्रिटिकल पावर एवं कूलिंग सिस्टम्स, भौतिक सुरक्षा प्रणाली, ऑपरेशंस एवं मेंटेनेंस पद्धतियां तथा उद्योग मानकों से संबंधित पाठ्यक्रम शामिल होंगे। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से डेटा सेंटर तथा डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे तीव्र गति से विकसित हो रहे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। स्टार्टअप प्रदर्शनी में कृषि, शिक्षा, फिनटेक, डीपटेक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल) तथा अन्य उभरते क्षेत्रों के स्टार्टअप्स द्वारा विकसित नवोन्मेषी उत्पादों एवं प्रौद्योगिकी आधारित समाधानों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्टार्टअप मार्गदर्शन विषयों पर परिचर्चाओं का भी आयोजन किया गया।

भिवंडी में दो दिनों में चार नाबालिग लड़कियां लापता, पुलिस ने दर्ज किए अपहरण के मामले

भिवंडी। भिवंडी शहर में पिछले दो दिनों के दौरान अलग-अलग क्षेत्रों से चार नाबालिग लड़कियों के लापता होने के मामले सामने आए हैं। परिजनों की शिकायत पर संबंधित पुलिस थानों में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ अपहरण के प्रकरण दर्ज किए गए हैं। पुलिस सभी लड़कियों की तलाश में जुटी हुई है। पहला मामला शांतिनगर थाना क्षेत्र का है जहां वेतालपाड़ा निवासी 17 वर्षीय किशोरी 6 जुलाई को दोपहर करीब 1:30 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों का आरोप है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने बहला-फुसलाकर उसे अपने साथ ले गया। इस संबंध में शांतिनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरा मामला शहर थाना क्षेत्र के कामतघर स्थित गणेश नगर का है। यहां रहने वाली 16 वर्षीय किशोरी 5 जुलाई की सुबह घर से काम पर जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। पिता की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया गया है। तीसरी घटना नारपोली थाना क्षेत्र के काल्हेर स्थित मौर्या रेसिडेंसी की है।

यहां रहने वाली 16 वर्षीय किशोरी 9 जुलाई की दोपहर बिना किसी को बताए घर से निकल गई और वापस नहीं लौटी। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। चौथा मामला निजामपुर थाना क्षेत्र के कोंबडपाड़ा स्थित गिरिराज अपार्टमेंट का है। 16 वर्ष 4 माह की किशोरी 8 जुलाई की रात करीब 11 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर मोमोज खाने जाने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी।

वसई विरार शहर के नगर अभियंता प्रदीप पचांगे के कार्यकाल की उच्च स्तरीय जांच की मांग, मानवाधिकार कार्यकर्ता संजय गुप्ता ने उठाए गंभीर सवाल...

वसई (उत्तर शक्ति)। वसई-विरार शहर महानगरपालिका के नगर अभियंता प्रदीप पचांगे के कार्यकाल के दौरान हुए विकास कार्यों, प्रशासनिक कार्यप्रणाली तथा संभावित वित्तीय अनियमितताओं की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग मानवाधिकार कार्यकर्ता संजय गुप्ता ने की है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से मानसून के दौरान शहर में लगातार जलभराव, सड़कों की खराब स्थिति, जल निकासी व्यवस्था की विफलता, नालों की अपर्याप्त सफाई तथा विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर नागरिकों में व्यापक असंतोष है। ऐसे में संबंधित विभाग के प्रमुख होने के नाते नगर अभियंता के कार्यकाल की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। संजय गुप्ता ने जारी विज्ञप्ति में मांग की है कि नगर अभियंता प्रदीप पचांगे के पूरे कार्यकाल में हुए सभी विकास कार्यों की स्वतंत्र तकनीकी एवं वित्तीय लेखापरीक्षा (ऑडिट) कराई जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों, सीवर लाइनों, वर्षा जल निकासी प्रणाली, नालों तथा अन्य सार्वजनिक निर्माण कार्यों का गुणवत्ता परीक्षण स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति से कराया जाए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके। उन्होंने यह भी मांग की कि यदि जांच आवश्यक समझी जाए तो निष्पक्षता बनाए रखने के लिए जांच पूरी होने तक संबंधित अधिकारी को प्रशासनिक जिम्मेदारियों से अलग करने पर विचार किया जाए। यदि जांच में प्रशासनिक लापरवाही, कर्तव्य की उपेक्षा, वित्तीय अनियमितता, घटिया निर्माण, नियमों का उल्लंघन, पद का दुरुपयोग अथवा भ्रष्टाचार के आरोप सिद्ध होते हैं तो संबंधित अधिकारियों, अभियंताओं, ठेकेदारों एवं अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध विभागीय

और कानूनी कार्रवाई की जाए। संजय गुप्ता ने कहा कि जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाना चाहिए, ताकि नागरिकों को यह जानकारी मिल सके कि उनके कर के धन से किए गए विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति क्या है और यदि किसी स्तर पर अनियमितता हुई है तो उसके लिए कौन जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग अथवा अवैध लाभ लेने के प्रमाण मिलते हैं तो भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018), लागू आपराधिक कानूनों, महाराष्ट्र नगर निगम अधिनियम तथा महाराष्ट्र सिविल सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) अथवा अन्य सक्षम जांच एजेंसी के माध्यम से आपराधिक प्रकरण भी दर्ज किया जाए। मानवाधिकार कार्यकर्ता ने कहा कि वसई-विरार के नागरिकों के जीवन, संपत्ति और सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं को किसी भी स्तर की प्रशासनिक लापरवाही के कारण नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने राज्य सरकार एवं संबंधित सक्षम प्राधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच कर दोषी पाए जाने वाले सभी व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

चांदीवली की वर्षा दुर्घटनाओं में मृत दो परिवारों को विधायक दिलीप लांडे के प्रयासों से मिली सरकारी आर्थिक सहायता

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पिछले सप्ताह मुंबई में हुई मूसलाधार बारिश के दौरान विभिन्न स्थानों पर हुई दुर्घटनाओं में कई लोगों की दुखद मृत्यु हुई थी। अब राज्य सरकार द्वारा पीड़ित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

चांदीवली विधानसभा क्षेत्र में बारिश से जुड़ी दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को स्थानीय विधायक दिलीप लांडे के सतत प्रयासों और अनुश्रवण के परिणामस्वरूप राज्य सरकार की ओर से 4-4 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता प्रदान की गई। 2 जुलाई को साकीनाका के खैरानी रोड पर बारिश का पानी भर जाने से मैनहोल दिखाई नहीं देने के कारण उसमें गिरकर अस्लम शेख (54 वर्ष) की मृत्यु हो गई थी। शासन के निर्णय के अनुसार उनकी पत्नी अंजुम अस्लम शेख को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई।वहीं 4 जुलाई को आरे कॉलोनी क्षेत्र में सड़क से गुजर रहे हसन रजा जहांगीर आलम सैयद (18 वर्ष) के सिर पर पेड़ की शाखा गिरने से

उनकी दुखद मृत्यु हो गई। इस मामले में भी उनके परिवार को 4 लाख रुपये का सहायता चेक प्रदान किया गया। विधायक दिलीप लांडे ने दोनों पीड़ित परिवारों के घर जाकर उन्हें 4-4 लाख रुपये के चेक सौंपे। समय पर सरकारी सहायता दिलाने के लिए परिवारों ने विधायक दिलीप लांडे का आभार व्यक्त किया।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जगाया अखंड भारत का संकल्प: आचार्य पवन त्रिपाठी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता युवा मोर्चा, मुंबई के तत्वावधान में आज सांताक्रुज (पूर्व) स्थित 'पब्लिक हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज' में एक भव्य 'विद्यार्थी सम्मेलन' का सफल आयोजन भाजपा मुंबई अध्यक्ष विधायक अमित साटम के मार्गदर्शन और भाजयुमो मुंबई अध्यक्ष दीपक सिंह के नेतृत्व में किया गया। यह विशेष अधिवेशन राष्ट्रभक्त डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125वीं जयंती के गौरवमयी अवसर पर आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन के दौरान डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के राष्ट्र निर्माण और जनहित में किए गए योगदान पर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय परंपरा के अनुसार दीप प्रज्वलन और 'सरस्वती वंदना' के साथ अत्यंत गरिमामय माहौल में हुआ। इस अवसर पर भाजपा मुंबई महामंत्री आचार्य पवन त्रिपाठी, मुंबई के कोने-कोने से भारी संख्या में आए युवाओं, विद्यार्थियों, शिक्षाविदों और कई गणमान्य अतिथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा मुंबई महामंत्री आचार्य पवन त्रिपाठी एवं भाजयुमो मुंबई के अध्यक्ष दीपक सिंह ने युवाओं का मार्गदर्शन किया और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के कार्यों के बारे में एवं आधुनिक युग में डिजिटल शिक्षा की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता आचार्य पवन त्रिपाठी ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की आत्मा थे। उन्होंने ही देश को 'एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे' का सिंहनाद देकर अखंड भारत का संकल्प जगाया था। आज कश्मीर से धारा 370 का हटना और देश का पूरी तरह एकीकृत होना, डॉ. मुखर्जी के उसी ऐतिहासिक संघर्ष और सर्वोच्च बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि है। इस भव्य विद्यार्थी सम्मेलन के माध्यम से युवाओं को राष्ट्रीय भावना से जोड़ना एक सराहनीय कार्य है। डॉ. मुखर्जी का जीवन और भाजयुमो मुंबई का यह प्रयास हर युवा को यही सीख देता है कि राष्ट्रहित से ऊपर कुछ भी नहीं है।₹ इस अवसर पर भाजयुमो मुंबई अध्यक्ष दीपक सिंह ने कहा कि आज का भारत तकनीक और डिजिटल क्रांति के दम पर वैश्विक पटल पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। डॉ. मुखर्जी के कारण ही कश्मीर से परमिट राज खत्म हुआ और अब हमारे गृहमंत्री अमित शाह ने कश्मीर से धारा 370 को समाप्त किया ल, जिससे आज सभी भारतीय कश्मीर की धरती पर आसानी से आ जा सकते हैं। आज के इस विद्यार्थी सम्मेलन के माध्यम से हमारा उद्देश्य युवाओं को आधुनिक शिक्षा से जोड़ना और उनमें राष्ट्रवाद की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक अखंड भारत और सशक्त युवा पीढ़ी का जो सपना देखा था, उसे साकार करने के लिए युवा मोर्चा पूरी तरह प्रतिबद्ध है। छात्रों और कार्यकताओं का यह अपार उत्साह देखकर मुझे पूरा विश्वास है कि हम सब मिलकर एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान देंगे। सम्मेलन में डिजिटल शिक्षा के बढ़ते अवसरों, नई शिक्षा नीति और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकारी योजनाओं पर भी विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भिवंडी में एक मंजिला मकान का छज्जा ढहा, बड़ा हादसा टला

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी में लगातार हो रही बारिश के बीच जर्जर भवनों के गिरने का सिलसिला जारी है। शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे शहर के खंडूपाड़ा स्थित अंसार मोहल्ला इलाके में एक मंजिला लोड-बेयरिंग मकान का छज्जा अचानक ढह गया। हादसे में एक व्यक्ति मामूली रूप से घायल हुआ, जबकि बड़ा हादसा टल गया। मनपा से मिली जानकारी के अनुसार, मकान क्रमांक 144/5/1/G-1 कलीम अंसारी का है। भवन के भूतल पर किराना दुकान संचालित होती है, जबकि पहली मंजिल पर कलीम अंसारी अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ रहते हैं। सुबह अचानक मकान के सामने वाले हिस्से का छज्जा गिर गया, जिससे पहली मंजिल की टीन की छत और दीवार का कुछ हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रभाग समिति क्रमांक-1 के सहायक आयुक्त मकसूम शेख, अग्निशमन दल तथा आपदा प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों की मदद से मलबा हटाने का कार्य शुरू कराया। बाद में मनपा की उप आयुक्त सपना वसावा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और दुर्घटनाग्रस्त भवन से सटे मकानों को एहतियातन खाली कराने के निर्देश दिए। साथ ही क्षेत्र के अन्य जर्जर एवं खतरनाक भवनों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने के आदेश भी जारी किए।

वाढवण बंदर परियोजना के भूमि अधिग्रहण मुआवजा वितरण में तेजी, प्रभावितों से दस्तावेज जमा करने की अपील

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिला प्रशासन ने बहुप्रतीक्षित वाढवण बंदर (वधावन पोर्ट) परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के मुआवजा वितरण की प्रक्रिया तेज कर दी है। परियोजना के तहत सड़क एवं रेल संपर्क विकसित करने के लिए अधिग्रहित भूमि और अन्य संपत्तियों का मुआवजा जल्द से जल्द पात्र खातेदारों के बैंक खातों में जमा किया जायेगा। प्रशासन के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 की धारा 3(G) के तहत डहाणू तहसील के वरोर, चिंचणी, तणाशी, बावडे, कोलवली, वाणगांव, धामटणे, कोल्हाण, घोल व तवा सहित 10 गांवों तथा पालघर तहसील के नेवाले, राणीशिगांव, सुमडी, गारगांव, चिंचारे, आकेगव्हाण, नानिवली, आंबेधे, आकोली, रावते, शिगांव व खुताड सहित 12 गांवों की अधिग्रहित भूमि एवं अन्य संपत्तियों के मुआवजा निर्धारण (अवार्ड) तैयार कर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) को स्वीकृति के लिए भेजे गये थे, जिन्हें मंजूरी मिल चुकी है। मुख्य सड़क के साथ बनने वाले सर्विस रोड के लिए पालघर तहसील के नेवाले, सुमडी, गारगांव और शिगांव तथा डहाणू तहसील के बावडा, वरोर, चिंचणी, तणाशी, कोलवली और वाणगांव गांव शामिल हैं। इन क्षेत्रों में अधिग्रहित भूमि के अलावा भवन, वन एवं फलदार वृक्ष, कुएं, बोरवेल, पाइपलाइन, हौद, तालाब आदि संपत्तियों के मुआवजे के लिए पात्र लाभार्थियों को नोटिस जारी किये जा चुके हैं और भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

जिला प्रशासन ने सभी प्रभावित भूमि धारकों से अपील की है कि वे आवश्यक दस्तावेज भूसंपादन अधिकारी कार्यालय अथवा संबंधित तलाठी कार्यालय में स्वयं जमा करें।

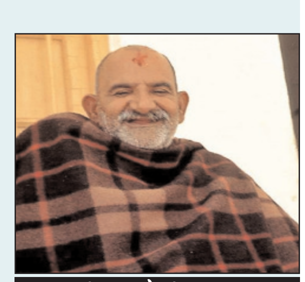

नीम करौली बाबा

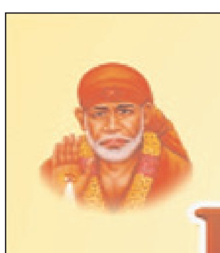
प्रजापति फॅब्रीकेशन अॅण्ड ग्रिलवर्क्स
93245 26742
98200 55193
93227 55403
PRAJAPATI
FABRICATION & GRILL WORKS
MANUFACTURERS OF
COMPOUND GATES, MS GRILLS, WATER TANKS, ROLL SHUTTER, COLLAPSIBLE DOOR & ALLUMINIUM SLIDING WINDOW
SHOP NO. 101, SAVERA CHS., LAST BUS STOP, VEERA DESAI ROAD, ANDHERI (W), MUMBAI-400053. GST No. : 27ANKPP6297R1ZP

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.**- 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

दूल्हा हत्याकांड में बड़ा घटनाक्रम, एक लाख का इनामी प्रदीप बिंद ने किया सरेंडर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के बहुचर्चित दूल्हा हत्याकांड में फरार चल रहे एक लाख रुपये के इनामी आरोपी प्रदीप बिंद ने पुलिस की गिरफ्त से पहले न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। कोर्ट में सरेंडर की खबर मिलते ही मृतक दूल्हे आजाद बिंद के परिजनों में एक बार फिर मायूसी छा गई। परिवार का कहना है कि वे आरोपी की गिरफ्तारी पुलिस कार्रवाई के जरिए चाहते थे, लेकिन उसके न्यायालय में आत्मसमर्पण करने से उन्हें निराशा हुई है।

गौरतलब है कि 1 मई 2026 को खेतासराय थाना क्षेत्र के मानेछा गांव के पास बारात लेकर जा रहे दूल्हे आजाद बिंद की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज वारदात से पूरे जिले में हड़कंप मच गया था और शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गई थीं।

घटना के बाद पुलिस ने मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि मुख्य आरोपी प्रदीप बिंद फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था और लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। इसके बावजूद आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर रहा।

आखिरकार प्रदीप बिंद ने पुलिस के हाथ लगने से पहले ही न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। न्यायालय की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

दूल्हा हत्याकांड जौनपुर की सबसे चर्चित आपराधिक घटनाओं में शामिल रहा है। अब मामले की सुनवाई न्यायालय में आगे बढ़ेगी। वहीं, पीड़ित परिवार ने सभी आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग दोहराई है।

हाईकोर्ट से एफआईआर निरस्त होने के बाद पत्रकार ने दायर किया मानहानि का वाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पारिवारिक विवाद में दर्ज आपराधिक मुकदमे को उच्च न्यायालय द्वारा निरस्त कर दिए जाने के बाद पत्रकार महर्षि कुमार सेठ ने अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा और पत्रकारिता की साख को हुई क्षति का हवाला देते हुए जौनपुर के दीवानी न्यायालय में मानहानि का वाद दायर किया है। इस वाद में वाराणसी के चौबेपुर थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी सहित 10 लोगों को प्रतिवादी बनाया गया है।

वाद में कहा गया है कि पारिवारिक रंजिश के चलते उनके खिलाफ दुष्कर्म, दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा जैसे गंभीर आरोपों में मुकदमा दर्ज कराया गया। उनका आरोप है कि बिना निष्पक्ष जांच के एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया, जबकि न्यायालय ने पहले मामले की जांच के निर्देश दिए थे।

पत्रकार के अनुसार, 6 जनवरी 2025 को पुलिस पूछताछ के नाम पर उन्हें कार्यालय से चौबेपुर थाने ले गई, जहां उनके विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। बाद में उन्हें वाराणसी जिला एवं सत्र न्यायालय से जमानत मिल गई।

मामले में उनके बड़े भाई द्वारा उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई, जिस पर सुनवाई के बाद 10 मार्च 2026 को उच्च न्यायालय ने पत्रकार एवं उनके परिजनों के विरुद्ध दर्ज एफआईआर को निरस्त कर दिया। इसके बाद पत्रकार ने अपने अधिवक्ता बृजेश सिंह रघुवंशी के माध्यम से जौनपुर दीवानी न्यायालय में मानहानि का वाद दाखिल किया। वाद में आरोप लगाया गया है कि झूठे मुकदमे और कथित दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा, व्यक्तिगत सम्मान और पत्रकारिता की विश्वसनीयता को गंभीर क्षति पहुंची है।

मानहानि वाद में तत्कालीन थाना प्रभारी जगदीश कुशवाहा सहित कुल 10 लोगों को पक्षकार बनाया गया है। न्यायालय से उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई एवं उचित क्षतिपूर्ति दिलाए जाने की मांग की गई है।

संपूर्ण अभियान 6.0 की सफलता के लिए बनी रणनीति, कुपोषित बच्चों की शत-प्रतिशत पहचान पर जोर

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बाल विकास परियोजना कार्यालय खुटहन में गुरुवार को 'संपूर्ण अभियान 6.0' के प्रभावी संचालन एवं सफल क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीडीपीओ सुरेश कुमार यादव ने की।

बैठक में गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, छह माह से छह वर्ष तक के बच्चों, गंभीर कुपोषित (एसएएम) एवं कम वजन वाले बच्चों की समयबद्ध पहचान कर उन्हें बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं उपलब्ध कराने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

सीडीपीओ ने सभी संबंधित अधिकारियों, सुपरवाइजरों एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को निर्देशित किया कि अभियान के तहत कोई भी पात्र लाभार्थी छूटने न पाए। उन्होंने ई-कवच पोर्टल पर समयबद्ध पंजीकरण, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण, आवश्यक दवा वितरण तथा पोषण संबंधी परामर्श को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अभियान को मिशन मोड में संचालित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि कुपोषण मुक्त समाज के लक्ष्य को प्रभावी ढंग से हासिल किया जा सके।

बैठक में सुपरवाइजर प्रीति, सुशीला वर्मा, रीना, सीमा, अनीता यादव, ब्लॉक समन्वयक विवेक यादव सहित स्वास्थ्य, पंचायत एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोनकर समाज के होनहार युवा ने रचा इतिहास

लंदन के किंग्स्टन विश्वविद्यालय में पीएच.डी. के लिए मिला 1.20 करोड़ का छात्रवृत्ति पैकेज

मिर्जापुर के मूल निवासी विनायक विवेक सोनकर की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि, कोलकाता में रहकर की सफलता हासिल

मिर्जापुर (उत्तरशक्ति)। मिर्जापुर जनपद के मूल निवासी एवं वर्तमान में कोलकाता में रह रहे प्रतिभावान युवा अधिवक्ता विनायक विवेक सोनकर ने सोनकर समाज का गौरव बढ़ाते हुए एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि हासिल की है। उन्हें यूनाइटेड किंगडम के लंदन स्थित किंग्स्टन विश्वविद्यालय के पीएच.डी. इन लॉ (ढ्ढ.ऌ.ल्ल छ्व.) कार्यक्रम में प्रवेश मिला है। विशेष बात यह है कि उन्हें विश्वविद्यालय की ओर से लगभग 1.20 करोड़ रुपये की पूर्ण वित्तपोषित छात्रवृत्ति एवं प्रायोजन भी प्रदान किया गया है।

विनायक विवेक सोनकर ने बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) तथा एलएल.एम. की शिक्षा प्राप्त करने के बाद अपनी प्रतिभा, परिश्रम और शैक्षणिक उत्कृष्टता के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे सोनकर समाज, मिर्जापुर जनपद और देश के युवाओं के लिए प्रेरणादायी है।

शिक्षा के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि कठिन परिश्रम, समर्पण और लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्प के साथ भारतीय युवा विश्व के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में अपनी पहचान बना सकते हैं।

विनायक विवेक सोनकर की इस उपलब्धि पर विभिन्न सामाजिक संगठनों, शिक्षाविदों, अधिवक्ताओं एवं समाज के गणमान्य लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उनकी यह सफलता निश्चित रूप से समाज के अन्य युवाओं को उच्च शिक्षा और वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। देश भर के समाज संगठन के लोगों ने उन्हें शुभकामना और बधाई दी।

फरियादी महिला के शोषण के आरोप में दरोगा निलंबित, जांच जारी

बरेली (उत्तरशक्ति)। बरेली जिले के सिरौली थाने में तैनात एक दरोगा पर फरियादी महिला ने मानसिक, शारीरिक और यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने आरोपी दरोगा नरेश बाबू को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

पीड़िता का आरोप है कि वह अपने पति के खिलाफ शिकायत लेकर सिरौली थाने पहुंची थी। इसी दौरान दरोगा से उसकी पहचान हुई और बाद में दोनों के बीच संपर्क बढ़ा। महिला का कहना है कि दरोगा ने शादी का भरोसा और साथ देने का आश्वासन देकर उसका शोषण किया। उसने यह भी आरोप लगाया कि गर्भवती होने पर दरोगा ने बच्चे की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया और उसका गर्भपात करा दिया।

महिला ने अपने आरोपों के समर्थन में साक्ष्य होने का दावा करते हुए एसएसपी से शिकायत की है। शिकायत में उसने निष्पक्ष जांच, दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और अपने परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी ने आरोपी दरोगा को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू करा दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

फर्राटा पंखे से करंट लगने पर 9 वर्षीय बालिका गंभीर, जिला अस्पताल रेफर

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के दहेंव गांव में फरार्टा पंखे से करंट लगने से नौ वर्षीय बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद परिजनों में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, दहेंव निवासी गुड्डू की 9 वर्षीय पुत्री सोनाली घर में चल रहे फरार्टा पंखे के पास थी। इसी दौरान किसी कारणवश पंखा उसके ऊपर गिर गया, जिससे वह विद्युत स्पशार्घात (करंट) की चपेट में आ गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन तत्काल बालिका को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुजानगंज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष केसरवानी ने प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

फिलहाल बालिका का उपचार जारी है। घटना के बाद परिजनों में चिंता का माहौल है। चिकित्सकों ने घरों में विद्युत उपकरणों के सुरक्षित उपयोग और बच्चों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

नई बाइक खरीदने पर दो हेलमेट लेना होगा अनिवार्य, एआरटीओ ने डीलरों को दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों व गंभीर चोटों को कम करने के उद्देश्य से नई व्यवस्था लागू की गई है। अब नई मोटरसाइकिल खरीदने वाले प्रत्येक ग्राहक को वाहन के साथ दो आईएसआई प्रमाणित हेलमेट खरीदना अनिवार्य होगा। एआरटीओ ने जनपद के सभी दोपहिया वाहन डीलरों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। नई व्यवस्था के तहत एक हेलमेट चालक तथा दूसरा पीछे बैठने वाले व्यक्ति की सुरक्षा के लिए अनिवार्य रहेगा। स्पष्ट किया गया है कि दोनों हेलमेट मुफ्त नहीं दिए जाएंगे, बल्कि वाहन खरीदते समय ग्राहक को उनका निर्धारित मूल्य भी चुकाना होगा। प्रशासन का मानना है कि इस कदम से हेलमेट के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा और सड़क हादसों में होने वाली जनहानि में कमी आएगी।

पॉक्सो मामले का वारंटी गिरफ्तार, खेतासराय पुलिस की कार्रवाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना खेतासराय पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के एक मामले में वांछित वारंटी आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्यवेक्षण में थाना खेतासराय पुलिस टीम ने नीरज पुत्र बड़कन बिंद, निवासी ग्राम जमदहाँ, थाना खेतासराय को उसके घर से गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध थाना खुटहन में दर्ज मु.नं. 178/2024 में धारा 376/511 भादवि एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 18 के तहत मामला लंबित है और संबंधित न्यायालय से उसके विरुद्ध वारंट जारी था।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को संबंधित न्यायालय, जौनपुर के समक्ष प्रस्तुत कर दिया। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, उपनिरीक्षक अनिल कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र यादव तथा आरक्षी सानू पाल की प्रमुख भूमिका रही।

केराकत में पूरे दिन चला अतिक्रमण के खिलाफ वृहद अभियान, प्रशासन ने दिखाई सख्ती

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत केराकत द्वारा नगर क्षेत्र में अतिक्रमण के विरुद्ध पूरे दिन वृहद अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व अधिशासी अधिकारी (ईओ) नगर पंचायत केराकत एवं नायब

तहसीलदार केराकत ने संयुक्त रूप से किया। पूरे दिन चले इस अभियान के दौरान मुख्य मार्गों, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया तथा अतिक्रमणकारियों को भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी दी गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक मार्गों, नालियों एवं सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभियान के दौरान कई स्थानों से अवैध रूप से रखे गए सामान एवं अस्थायी अतिक्रमण हटाए गए, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारु हुई और आम नागरिकों को राहत मिली।

इस दौरान नगर पंचायत के कर्मचारी, राजस्व विभाग की टीम एवं पुलिस बल मौजूद रहा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नगर को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के लिए आगे भी ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भूमि विवाद में दीवार तोड़ने का आरोप, विरोध करने पर मां-बेटी को धमकी; पांच पर केस दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव में भूमि विवाद को लेकर दीवार तोड़ने और विरोध करने पर मां-बेटी को गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सुल्तानपुर गांव निवासी कलावती देवी पत्नी अनुज कुमार ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि गुरुवार को गांव के गोविंद कुमार, दिलीप कुमार, किशन कुमार समेत अन्य लोगों ने भूमि विवाद के चलते उनकी दीवार तोड़ दी। पीड़िता के अनुसार, जब उन्होंने और उनकी बेटी समो ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने दोनों के साथ अभद्रता करते हुए गाली-गलौज की और मारपीट व जान से मारने की धमकी दी।

मामले की शिकायत मिलने के बाद जफराबाद पुलिस ने दिलीप, गोविंद, किशन, मनोज समेत पांच आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आजमगढ़ में दोहरा हत्याकांड: दादा-पोते की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या, गांव में मचा हड़कंप

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। पवई थाना क्षेत्र के हेवती डीहवा गांव में शुक्रवार की सुबह दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। अज्ञात हमलावरों ने घर और ट्यूबवेल पर सो रहे दादा-पोते की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार गांव निवासी 70 वर्षीय जगदंबा प्रसाद यादव रोज की तरह घर से करीब 300 मीटर दूर स्थित अपने ट्यूबवेल पर सो रहे थे। वहीं उनका 25 वर्षीय पोता अंकित यादव घर में अपनी चचेरी दादी फूलमती और दो भाइयों के साथ सोया हुआ था। आरोप है कि देर रात अज्ञात हमलावर घर में घुसा और सो रहे अंकित पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले की आवाज से फूलमती की नींद खुल गई। उन्होंने तुरंत अंकित के दोनों भाइयों को जगाया और घायल अंकित को इलाज के लिए अंबेडकर नगर के नगपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन जब अंकित की मौत की सूचना देने ट्यूबवेल पहुंचे तो वहां जगदंबा प्रसाद यादव का शव पड़ा मिला। उनके शरीर और गले पर धारदार हथियार से वार के निशान थे। दोहरे हत्याकांड की जानकारी मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर एसपी ग्रामीण चिराग जैन पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान घर से करीब 100 मीटर दूर खेत में खून से सनी कुल्हाड़ी बरामद हुई, जिसे पुलिस ने कब्जे में लेकर जांच के लिए भेज दिया है। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि घटना की सूचना रात करीब दो बजे मिली थी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक लेनदेन और आपसी विवाद का मामला सामने आया है। जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

आवारा कुत्तों के हमले में मासूम गंभीर घायल, वाराणसी ट्रॉमा सेंटर रेफर

निशानाथ

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के शाहापुर गांव में गुरुवार शाम आवारा कुत्तों के झुंड ने एक आठ वर्षीय बालक पर हमला कर गंभीर रुप से घायल कर दिया। प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी के ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार शाहापुर निवासी कल्लू बिन्द का पुत्र शिवांश गांव में खेलकर घर लौट रहा था। इसी दौरान एक पोखरे के पास मौजूद आवारा कुत्तों के झुंड ने अचानक उस पर हमला कर दिया। जान बचाने के प्रयास में शिवांश पास के पोखरे में कूद गया, लेकिन कई कुत्ते भी उसके पीछे पानी में उतर गए और उस पर हमला करते रहे। बालक की चीख-पुकार सुनकर वहां से गुजर रहे एक राहगीर ने उसे बचाने का प्रयास किया। इस दौरान कुत्तों ने उस पर भी झपटने की कोशिश की। राहगीर के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद बालक को कुत्तों के चंगुल से बचाया गया।

घटना में गंभीर रुप से घायल शिवांश को पहले शाहगंज के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए वाराणसी ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। परिजनों के अनुसार बालक का उपचार जारी है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद गांव में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक को लेकर लोगों में चिंता और आक्रोश है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

शाहगंज पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर गो-तस्कर को तमंचा-कारतूस के साथ किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत शाहगंज थाना पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर एवं शातिर अंतरजनपदीय गो-तस्कर को अवैध तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी शाहगंज गिरेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान शुक्रवार तड़के करीब 1:45 बजे बड़ागांव-कोहड़ा मार्ग पर पुलिस ने बालक दास यादव पुत्र रामजग यादव, निवासी कोहड़ा थाना शाहगंज को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध .315 बोर तमंचा एवं एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर थाना शाहगंज में मु.अ.सं. 242/2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्त थाना शाहगंज का हिस्ट्रीशीटर है और उसके विरुद्ध जौनपुर, चंदौली, देवरिया एवं गोंडा सहित विभिन्न जनपदों में गो-तस्करी, गैंगस्टर एक्ट, पशु क्रूरता अधिनियम, आर्म्स एक्ट तथा अन्य धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह, उपनिरीक्षक ओम प्रकाश पांडेय, हेड कांस्टेबल अनुज कुमार सिंह, जितेंद्र कुमार पांडेय, कांस्टेबल धर्मेंद्र सिंह, शशि चौहान, अमन यादव एवं अभिराम खरवार शामिल रहे।

ललितपुर में 78 वर्षीय रिटायर्ड शिक्षक ने जहर खाकर दी जान

ललितपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में 78 वर्षीय रिटायर्ड शिक्षक राजाराम गोस्वामी ने कथित रूप से जहर खाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतक द्वारा छोड़े गए सुसाइड नोट में पूर्व आईपीएस अधिकारी एलवी एंटोनी देवकुमार सहित सात लोगों को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया गया है।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2022 में राजाराम गोस्वामी के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था, जिसकी सुनवाई 16 जुलाई को प्रस्तावित थी। परिजनों के अनुसार, वह लंबे समय से इस मुकदमे को लेकर मानसिक तनाव में थे।

सुसाइड नोट में पूर्व आईपीएस समेत 7 लोगों पर लगाए गंभीर आरोप

सुसाइड नोट में राजाराम गोस्वामी ने आरोप लगाया कि उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। उन्होंने लिखा कि उन्हें गंदा पानी पिलाने की कोशिश की गई, विरोध करने पर बीच सड़क पर उनके कपड़े उतरवाए गए, लाठियों से पीटा गया और बाद में उन्हें ही जेल भेज दिया गया। उन्होंने यह भी लिखा कि वर्षों से मानसिक पीड़ा झेलते-झेलते वह पूरी तरह टूट चुके हैं।

नोट में उन्होंने तत्कालीन ललितपुर पुलिस अधीक्षक रहे और हाल ही में डीजी पद से सेवानिवृत्त हुए एलवी एंटोनी देवकुमार पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि तत्कालीन एसपी के कार्यकाल में उनके खिलाफ झूठा एससी/एसटी एक्ट का मुकदमा दर्ज कराया गया।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। सुसाइड नोट में लगाए गए आरोप मृतक के व्यक्तिगत दावे हैं, जिनकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। मामले की जांच जारी है और जांच के बाद ही तथ्यों की पुष्टि हो सकेगी।

राष्ट्रीय भारत हिन्दी दैनिक के उप संपादक बने तामीर हसन शीबू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ पत्रकारिता जगत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार तामीर हसन शीबू को राष्ट्रीय भारत हिन्दी दैनिक का सह संपादक नियुक्त किया गया है। वर्तमान में वह ठी६२ लङ्क४१ में उत्तर प्रदेश स्टेट ब्यूरो हेड के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं।

मूल रूप से जौनपुर जनपद के ख्वाजा दोस्त के निवासी तामीर हसन शीबू लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वह विभिन्न राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय समाचार पत्रों तथा समाचार चैनलों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए उन्होंने निष्पक्ष, तथ्यपरक और जिम्मेदार

पत्रकारिता के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी नियुक्ति को मीडिया जगत में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। अपनी नियुक्ति पर तामीर हसन शीबू ने समाचार पत्र के प्रबंधन एवं संपादकीय मंडल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह दायित्व उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ जनहित की पत्रकारिता को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य करेंगे।

उनकी इस उपलब्धि पर पत्रकारों, सामाजिक संगठनों, शुभचिंतकों एवं मित्रों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वीरांगना फूलन देवी के विचारों को आगे बढ़ाने वाले 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए होंगे एकजुट: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीरांगना फूलन देवी सामाजिक न्याय मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि वीरांगना फूलन देवी का जीवन सामाजिक न्याय, आत्मसम्मान और वंचित समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष की प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि फूलन देवी ने दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, आदिवासियों और कमजोर वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाया।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि फूलन देवी का संघर्ष सामाजिक समानता और सम्मान की लड़ाई को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाला रहा। उन्होंने कहा कि समाजवादी नेता स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने उनके राजनीतिक जीवन को आगे बढ़ाने का अवसर दिया और उन्हें लोकसभा तक पहुंचाकर सामाजिक न्याय की राजनीति को नई दिशा दी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा, समान अवसर, शिक्षा, रोजगार और शासन-प्रशासन में सभी वर्गों की भागीदारी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यही वे मूल विचार हैं, जिनके लिए वीरांगना फूलन देवी ने संघर्ष किया और समाजवादी आंदोलन लगातार प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि वीरांगना फूलन देवी की 25 जुलाई 2001 को हुई हत्या सामाजिक न्याय की राजनीति के लिए बड़ी क्षति थी। उनके विचार और संघर्ष आज भी लोगों को अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने तथा समानता और भाईचारे के लिए कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।

मोहम्मद अरशद खान ने जानकारी दी कि 25 जुलाई 2026 को शाम 4 बजे जौनपुर सदर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अब्बोपुर में वीरांगना फूलन देवी के शहादत दिवस पर ₹सामाजिक न्याय एवं धार्मिक एकता सम्मेलन₹ का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन का आयोजन वीरांगना फूलन देवी सामाजिक न्याय मंच के प्रदेश अध्यक्ष श्री रामकेश बिंद के नेतृत्व में होगा।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन में सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा, धार्मिक सद्भाव, सामाजिक समरसता और पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज की एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि वीरांगना फूलन देवी के विचारों और सामाजिक न्याय की राजनीति में विश्वास रखने वाले लोग वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में एकजुट होकर कार्य करेंगे।

अंत में उन्होंने सामाजिक न्याय समर्थकों, युवाओं, महिलाओं, किसानों, मजदूरों और बुद्धिजीवियों से अपील की कि वे 25 जुलाई को अब्बोपुर पहुंचकर वीरांगना फूलन देवी को श्रद्धांजलि अर्पित करें और सामाजिक न्याय, धार्मिक एकता व संविधान की रक्षा के संकल्प को मजबूत करें।

वसई-विरार में बाढ़ की स्थिति पर विधायक राजन नाईक ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से की मुलाकात

मुंबई। वसई-विरार में लगातार हो रही भारी बारिश से उत्पन्न गंभीर स्थिति को लेकर नालासोपारा के विधायक राजन नाईक ने आज विधान भवन में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में जलभराव, नागरिकों को हो रही परेशानियों तथा भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी समाधान पर विस्तार से चर्चा की। विधायक राजन नाईक ने मुख्यमंत्री को बताया कि भारी बारिश के कारण वसई-विरार के कई इलाकों में जलभराव की समस्या पैदा हो गई है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। उन्होंने बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधायक को आश्वस्त किया कि अगले सप्ताह संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त बैठक बुलाई जाएगी। इस बैठक में वसई-विरार में बाढ़ और जलनिकासी की समस्या का व्यापक समीक्षा कर प्रभावी एवं स्थायी उपायों पर निर्णय लिया जाएगा। राजन नाईक ने कहा कि वे वसई-विरार के नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार सरकार के समक्ष मुद्दे उठाते रहेंगे और क्षेत्र को सुरक्षित, सक्षम एवं बाढ़-मुक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास जारी रखेंगे।

मंत्री गिरीश महाजन और सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने मनोर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

मनोर/पालघर। महाराष्ट्र के आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन, पालघर लोकसभा सांसद डॉ. हेमंत सावरा तथा पालघर जिला कलेक्टर ने भारी बारिश से प्रभावित पालघर जिले के मनोर क्षेत्र का दौरा कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मनोर स्थित कोयला पुल और बिरसायत भवन परिसर का निरीक्षण किया तथा स्थानीय प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। अधिकारियों से विस्तृत जानकारी लेने के बाद मंत्री गिरीश महाजन ने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम तत्काल और प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। डॉ. हेमंत सावरा ने कहा कि बाढ़ प्रभावित नागरिकों तक हर संभव सहायता समय पर पहुंचाई जा रही है और प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ राहत कार्यों में जुटा हुआ है। राज्य सरकार ने आश्वासन दिया है कि आपदा की इस घड़ी में प्रभावित नागरिकों को शीघ्र राहत उपलब्ध कराने तथा स्थिति को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, मायके पक्ष ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नेवढ़िया थाना क्षेत्र के लक्षनपुर (तरती) गांव में 24 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी फैल गई। मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए हत्या करने का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, लक्षनपुर (तरती) निवासी शांति गौड़ पत्नी अमन गौड़ की गुरुवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की मां किशुना देवी ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही उनकी बेटी को दहेज की मांग को लेकर ससुराल में प्रताड़ित किया जा रहा था।

मृतका की बहन सरिता का आरोप है कि घटना से पहले रात करीब 11 बजे शांति ने फोन कर बताया था कि उसके साथ मारपीट की जा रही है और उसे जान से मारने की धमकी दी जा रही है। कुछ देर बाद फोन कट गया और फिर संपर्क नहीं हो सका। सुबह सूचना मिली कि शांति ने फांसी लगाकर जान दे दी है। मायके पक्ष ने पति अमन गौड़, जेठ पिंटू गौड़, जेठानी संगीता, सास बेला देवी और ननद अनीता पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। वहीं, ससुराल पक्ष का कहना है कि विवाहिता ने आत्महत्या की है। घटना की सूचना पर क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं विजय कुमार चौधरी मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। थानाध्यक्ष नेवढ़िया निखिलेश तिवारी ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों का पता चल सकेगा। तहरीर के आधार पर जांच कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जमीनी विवाद में युवती पर हमला, लाठी-डंडों से पीटकर किया गंभीर घायल

कलीम सिद्दीकी

सरायख्वाजा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के लोहता गांव में जमीनी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पट्टीदारों के बीच हुए विवाद में 24 वर्षीय युवती शीतल यादव पर कथित तौर पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शीतल यादव अपने घर के बाहर बैठी थीं। इसी दौरान जमीन को लेकर पट्टीदारों से कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोप है कि 5-6 लोगों ने मिलकर शीतल यादव की बेरहमी से पिटाई की, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही सरायख्वाजा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवती को तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। जांच के बाद दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी।

धान की रोपाई को झमाझम बारिश का इंतजार, कागज की कश्तियों से बच्चों ने उठाया मौसम का लुत्फ

डॉ. इम्तियाज अहमद

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील क्षेत्र में किसान अब भी अच्छी बारिश की आस लगाए बैठे हैं। शुक्रवार सुबह रुक-रुक कर हुई बारिश के बाद दोपहर में मौसम खुल गया। पिछले कई दिनों से आसमान में बादल छाए रहने के बावजूद पर्याप्त बारिश नहीं होने से धान की रोपाई का काम पूरी तरह रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा है। धान की नर्सरी तैयार होने के बाद किसान खेतों में रोपाई के लिए पानी का इंतजार कर रहे हैं। कुछ किसान निजी साधनों से सिंचाई कर धान की रोपाई कर रहे हैं, जबकि नहरों के किनारे बसे गांवों में नहर का पानी मिलने से किसानों को राहत मिल रही है। किसानों का कहना है कि धान की खेती के लिए तेज बारिश जरूरी है। वहीं सिंचाई के समय बिजली की कटौती और लो वोल्टेज की समस्या भी किसानों की परेशानी बढ़ा रही है। इधर, हल्की बारिश के बाद गांवों और कस्बों में बच्चों के चेहरे खिल उठे। घरों के आसपास जमा बारिश के पानी में बच्चों ने कागज की कश्तियां तैराकर मौसम का आनंद लिया। मोबाइल गेम्स के दौर में बच्चों का यह पारंपरिक खेल लोगों को पुराने दिनों की याद दिला रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश भले ही किसानों की उम्मीदों के मुताबिक नहीं हुई, लेकिन बच्चों के लिए यह मौसम खुशियों की सौगात लेकर आया है।

स्नेहा दुबे-पंडित ने मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं बाढ़ समाधान की अहम मांगें

मुंबई। वसई-विरार में हाल ही में हुई भारी बारिश के बाद उत्पन्न बाढ़ और जलभराव की गंभीर स्थिति को लेकर वसई विधानसभा की विधायक स्नेहा दुबे-पंडित ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं और उनके स्थायी समाधान से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए।

विधायक ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वसई-विरार में हर वर्ष बनने वाली बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए उनकी अध्यक्षता में एक संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की जाए। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि इस बैठक में राजस्व विभाग, नगर विकास विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग (ढहठ), एमएसआरडीसी, भारतीय रेलवे, वसई-विरार महानगरपालिका, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल कर समन्वित कार्ययोजना तैयार की जाए।

स्नेहा दुबे-पंडित ने कहा कि लगातार होने वाले जलभराव से आम नागरिकों का जनजीवन, यातायात, रोजगार और व्यापार बुरी तरह प्रभावित होता है। इसलिए सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर दीर्घकालिक और प्रभावी समाधान लागू करना समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधायक की मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए संबंधित विभागों के साथ व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित करने का आश्वासन दिया।

मुलाकात के दौरान विधायक ने हाल की भारी बारिश के कारण बाधित हुई रेल सेवाओं का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि रेल सेवाएं प्रभावित होने से नौकरीपेशा लोगों, उद्योगों में कार्यरत कर्मचारियों, व्यापारियों, विद्यार्थियों तथा मुंबई आने-जाने वाले शिक्षकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने राज्य सरकार से अनुरोध किया कि ऐसी असाधारण परिस्थितियों में निजी कंपनियों, उद्योगों एवं शैक्षणिक संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए विशेष सवेतन अवकाश देने पर भी विचार किया जाए।

विधायक ने अंत में कहा कि वसई-विरार को हर वर्ष आने वाली बाढ़ की समस्या से स्थायी राहत दिलाने के लिए सरकार को दीर्घकालिक, वैज्ञानिक और ठोस कार्ययोजना बनाकर प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

बूथ स्तर तक पार्टी को सक्रिय करें कार्यकर्ता- प्रदेश सचिव डॉ.महेंद्र सिंह पटेल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपना दल एस सेवापुरी मासिक बैठक संपन्न, संगठन को मजबूत करने पर जोर राजातालाब आराजी लाइन विकासखंड क्षेत्र के डगहरिया स्थित आरती कुंज में शुक्रवार को अपना दल एस पार्टी सेवापुरी की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर विस्तृत चर्चा हुई।बैठक के मुख्य अतिथि पार्टी के प्रदेश सचिव एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. महेंद्र सिंह पटेल रहे। उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ता बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए पार्टी के पदाधिकारी गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करें।बैठक की अध्यक्षता राजकुमार पटेल ने की। उन्होंने कहा कि संगठन को विस्तार देने और नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने के लिए लगातार बैठकें और संपर्क अभियान चलाए जाएंगे। इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारियों ने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर भी चर्चा की और उनके समाधान के लिए रणनीति बनाई। बैठक में प्रमुख रूप से प्रदेश सचिव बौद्धिक मंच इंद्रजीत सिंह, रीना वर्मा, आमिल खान मुन्ना, सियाराम पटेल, राजनाथ पटेल,महेंद्र पटेल ,दिग्विजय सिंह यादव ,जयप्रकाश पटेल, कुसुम लता,चंद्रमा सिंह सहित बड़ी संख्या में अपना दल एस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

12 साल पुराने आगजनी मामले में दो भाइयों को 7 साल की सजा, 10-10 हजार रुपये जुमार्ना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ रुपाली सक्सेना की अदालत ने 12 वर्ष पुराने आगजनी के मामले में दो भाइयों को दोषी करार देते हुए सात-सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोनों दोषियों पर 10-10 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ने की राशि पीड़ित को मुआवजे के रूप में देने का आदेश दिया गया है।

मामला नेवढ़िया थाना क्षेत्र के जेठपुरा गांव का है। गांव निवासी दिल मोहन ने 1 दिसंबर 2014 को थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि जमीन के पुराने विवाद को लेकर शाम करीब 6 बजे रामलोचन, रामजनम और छोटेलाल ने उनके रिहायशी मड़हे में मिट्टी का तेल छिड़ककर आग लगा दी थी। आगजनी की इस घटना में दिल मोहन का रजाई, गद्दा, चारपाई सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया था। वहीं आग की चपेट में आने से दो गर्भवती भैंसों की भी मौत हो गई थी। पुलिस ने मामले की जांच पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलों और उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद रामलोचन और रामजनम को दोषी पाया। इसके बाद न्यायालय ने दोनों को सात वर्ष के कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई। मुकदमे की सुनवाई के दौरान एक अन्य आरोपी छोटेलाल की मृत्यु हो गई थी।

मछलीशहर में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित, ग्रामीणों को दी गई कानूनी अधिकारों की जानकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार शशि के निर्देशन एवं सचिव पूर्णकालिक सुशील कुमार सिंह की देखरेख में विकासखंड मछलीशहर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को उनके अधिकारों, कानूनों और निःशुल्क विधिक सहायता के संबंध में जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में सिविल जज सी0डि0/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने प्राधिकरण के कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि विवादों का समाधान आपसी सुलह-समझौते और राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से कराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि किसी भी पीड़ित व्यक्ति को न्याय पाने के लिए विधिक सेवा प्राधिकरण से सहायता मिल सकती है।

उन्होंने आगामी 18 जुलाई को धारा 138 एनआई एक्ट से संबंधित राष्ट्रीय लोक अदालत तथा 22, 23 और 24 अगस्त को सर्वोच्च न्यायालय में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी देते हुए लोगों से अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण समझौते के आधार पर कराने की अपील की।

डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसिल डॉ. दिलीप कुमार सिंह ने बंदियों के अधिकारों और निःशुल्क कानूनी सहायता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जमानत मिलने के बाद आर्थिक स्थिति कमजोर होने पर बंदी व्यक्तिगत बंध पत्र के माध्यम से न्यायालय से राहत प्राप्त कर सकता है। उन्होंने लोक अदालत, मध्यस्थता केंद्र और प्री-लिटिगेशन सेवाओं के बारे में भी विस्तार से बताया।

काउंसलर देवेंद्र कुमार यादव ने पारिवारिक विवादों के समाधान, टेली-लॉ सेवा और हेल्पलाइन नंबर 15100 के महत्व की जानकारी दी। वहीं श्रम प्रवर्तन अधिकारी दीपक गौतम ने श्रमिकों के अधिकारों एवं श्रम कानूनों के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान महाजन अली, एक्शन एनजीओ के प्रतिनिधि, उप निरीक्षक थाना मछलीशहर मोहम्मद अहमद खान सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और ग्रामीण मौजूद रहे।

डॉ. सुनील मिश्रा का जन्मदिवस सम्मानपूर्वक मनाया गया

मुंबई। भांडुप स्थित दत्त मंदिर विलेज गांव रोड पर समाजसेवी एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुनील मिश्रा का जन्मदिवस उनके क्लिनिक में सादगी, आत्मीयता और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाज एवं चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों और चिकित्सकों ने उपस्थित होकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के दौरान केक काटकर जन्मोत्सव मनाया गया तथा डॉ. सुनील मिश्रा का शाल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। उपस्थित सभी अतिथियों ने उनके सामाजिक सरोकारों और चिकित्सा सेवा में दिए जा रहे उल्लेखनीय योगदान की मुक्तकंठ से सराहना की।

समारोह में प्रमुख रूप से समाजसेवी डॉ. जीतेन्द्र पवार (डायरेक्टर, सुधांशु हॉस्पिटल), डॉ. अनिल चाडक, डॉ. सचिन सिंह (अध्यक्ष, युवा ब्रिगेड एसोसिएशन), डॉ. गणेश जायसवाल, डॉ. योगेश नावडकर, डॉ. गिरी, डॉ. अशोक नरोड़ा, डॉ. जंगबहादुर, डॉ. अनिल यादव तथा डॉ. रमेश गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।इस अवसर पर वक्ताओं ने डॉ. सुनील मिश्रा के जनसेवा, समाजसेवा और चिकित्सा क्षेत्र में उनके समर्पित कार्यों की सराहना करते हुए उनके दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं।

वॉर्ड नंबर 23 में जनसेवा का संकल्प जारी, राहत कार्य में जुटीं नगरसेविका निम्मी दोशी

वसई-विरार। वसई-विरार में भारी बारिश का असर भले ही अब कुछ कम हुआ हो, लेकिन वॉर्ड नंबर 23 में राहत एवं जनसेवा का अभियान लगातार जारी है। विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे के सहयोग तथा नगरसेविका निम्मी निपुण दोशी के मार्गदर्शन में कार्यकर्ता और पदाधिकारी लगातार जरूरतमंद नागरिकों तक सहायता पहुंचा रहे हैं। राहत अभियान के तहत आज भी प्रभावित क्षेत्रों में फल, भोजन और पीने के पानी का वितरण किया गया। नगर निगम के सहयोग तथा पूर्व नगरसेवक छोटू आनंद और उनके साथियों की देखरेख में वसई (अंबाडी रोड) स्थित गुरुद्वारे में जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन की विशेष व्यवस्था की गई। इस सेवा कार्य में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता मयंक शेठ, सुरेश प्रजापति, मार्कंडेय पांडे, धीरज तालेबाड़ी, आमिर, तीर्थ दोशी, हरीश बेदी, निपुण दोशी सहित अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई और लगातार राहत कार्य में जुटे रहे। राहत अभियान के दौरान विद्यामंदिर रोड, ओम नगर, धुरी कॉम्प्लेक्स, लाभ कॉम्प्लेक्स, साई नगर और विश्वकर्मा फेज-1 सहित विभिन्न इलाकों में पहुंचकर जरूरतमंद नागरिकों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर नगरसेविका निम्मी दोशी ने कहा कि, न पार्टी, न जाति, न धर्म... मुश्किल समय में इंसानियत ही हमारा धर्म है। हर जरूरतमंद तक पहुंचकर उनकी मदद करना ही हमारी सच्ची जनसेवा की प्रतिबद्धता है और यह सेवा कार्य लगातार जारी रहेगा।

विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे आज के विद्यार्थी : कुलपति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा गोद लिए गए ग्रामों के विद्यालयों के छात्र-छात्राओं हेतु दीक्षांत समारोहझ2026 से जुड़े कार्यक्रमों के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर स्थित एकलव्य स्टेडियम एवं राष्ट्रीय सेवा योजना भवन में किया गया। यह आयोजन राजभवन सचिवालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देश के क्रम में किया गया । कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी अत्यंत प्रतिभाशाली हैं और आने वाले समय में विकसित भारत के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के वैज्ञानिक, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, उद्यमी और राष्ट्रनिमार्ता बनेंगे।

कुलपति ने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने का आह्वान करते हुए कहा कि जो भी विषय पढ़ें, उसे केवल परीक्षा के लिए नहीं बल्कि गहराई से समझने का प्रयास करें। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति भी सजग रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ संतुलित आहार भी अत्यंत आवश्यक है। घर में जो भोजन बने, उसे अवश्य खाएं और अनावश्यक जंक फूड से बचें। स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन से ही बेहतर अध्ययन और उज्ज्वल भविष्य का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए ग्रामों के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं इंटरमीडिएट विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताओं में पारंपरिक खेल, 100 मीटर दौड़, पर्यावरण एवं जल संरक्षण पर गीत-गायन एवं अभिनय, देशभक्ति गीत एवं पारंपरिक लोकनृत्य, तथा मेरी माँ विषय पर भाषण, निबंध, काव्य-पाठ एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त कक्षा 03 से 08 तथा कक्षा 09 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए पृथक समूहों में भाषण, चित्रकला/पेंटिंग एवं कहानी कथन (स्टोरी टेलिंग) प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कक्षा 09 से 12 के विद्यार्थियों ने अपने-अपने गांवों में जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं स्वच्छता जैसे विषयों पर किए गए उत्कृष्ट कार्यों को प्रभावी ढंग से अपने भाषणों में प्रस्तुत किया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन किया गया, जिन्हें आगामी दीक्षांत समारोह में माननीय कुलाधिपति द्वारा सम्मानित किया जाएगा। विजयी चित्रों का प्रदर्शन भी दीक्षांत समारोह में किया जाएगा तथा उनका संकलन पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ0 शशिकांत यादव ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के माध्यम से ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ-साथ विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक चेतना एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन पूर्व समन्वयक रासेयो डॉ0 राज बहादुर यादव ने किया. इस अवसर पर गाँव गोद लिए विद्यालयों के शिक्षक राम लगन, उमा सिंह, हिना औन रिजवी, मिथिलेश शर्मा, चंद्र प्रकाश, जितेंद्र कुमार यादव, अवधेश कुमार वर्मा, स्वतंत्र कुमार पटेल, संतोष कुमार एवं डॉ0 आशीष सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

आईकेएस हेल्थ ने ट्रूब्रिज का अधिग्रहण पूरा किया

मुंबई, स्वास्थ्य सेवा प्रौद्योगिकी और केयर एनेबलमेंट समाधान प्रदान करने वाली वैश्विक कंपनी आईकेएस हेल्थ ने ट्रूब्रिजट्ट आईएनसी . के अधिग्रहण की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। ट्रूब्रिज ग्रामीण और सामुदायिक अस्पतालों के लिए इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड तथा रेवेन्यू साइकिल मैनेजमेंट समाधान उपलब्ध कराने वाली अग्रणी कंपनी है। अधिग्रहण के बाद ट्रूब्रिज, आईकेएस हेल्थ की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में कार्य करेगी। अमेरिका में लगभग हर पांच में से एक व्यक्ति को स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में ग्रामीण और सामुदायिक अस्पतालों पर प्रशासनिक, चिकित्सीय और परिचालन संबंधी दबाव लगातार बढ़ रहा है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए आईकेएस हेल्थ एक उन्नत और बुद्धिमान हेल्थकेयर ऑपरेटिंग सिस्टम विकसित कर रही है, जो मरीजों की पूरी देखभाल यात्रा को अधिक प्रभावी और सुगम बनाएगा। आईकेएस हेल्थके संस्थापक और ग्लोबल सीईओ सचिन के. गुप्ता ने कहा, ह्ययह अधिग्रहण हमें ऐसे एकीकृत सिस्टम की दिशा में आगे बढ़ाता है, जो रिकॉर्ड और एक्शन दोनों को एक मंच पर लाएगा। एक्सप्लेनेबल एआई और मानव विशेषज्ञता के संयोजन से हम प्रशासनिक जटिलताओं को कम करेंगे, वित्तीय दबाव घटाएंगे और मरीजों की देखभाल में मौजूद महत्वपूर्ण अंतर को दूर करेंगे। ट्रूब्रिज के साथ अब हम स्वतंत्र क्लीनिकों, ग्रामीण अस्पतालों और बड़े स्वास्थ्य नेटवर्कों तक अपनी सेवाओं का विस्तार कर सकेंगे।अधिग्रहण के बाद संयुक्त संगठन अमेरिका में 2,000 से अधिक स्वास्थ्य संस्थानों और 1.5 लाख से ज्यादा चिकित्सकों को सेवाएं प्रदान करेगा। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा ग्राहकों को बिना किसी व्यवधान के सेवाएं मिलती रहेंगी और सभी वर्तमान उत्पाद स्वतंत्र रूप से उपलब्ध रहेंगे। साथ ही भविष्य की नवाचार परियोजनाओं में निवेश भी बढ़ाया जाएगा।

इंदौर- चलती ट्रेन पकड़ने में युवक की मौत

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर रेलवे स्टेशन पर दिनांक 10 जुलाई शुक्रवार को सुबह चलती ट्रेन पकड़ने की कोशिश में एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। युवक ग्वालियर का रहने वाला था और व्यापार के सिलसिले में इंदौर आया था। रेलवे पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों को सूचना दे दी है। रेलवे पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान ग्वालियर के सुनार मोहल्ला निवासी हर्ष गुप्ता के रूप में हुई है। वह सुबह करीब साढ़े नौ बजे ग्वालियर से आई ओवरनाइट एक्सप्रेस से इंदौर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर उतरा था। हर्ष को रतलाम जाने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर-1 से डेमू ट्रेन पकड़नी थी। वह प्लेटफॉर्म-4 से प्लेटफॉर्म -1 की ओर जा रहा था। इसी दौरान उसने चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश की, लेकिन पैर फिसलने से वह ट्रेन के नीचे आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही इंदौर में रहने वाले उसके रिश्तेदार रेलवे स्टेशन पहुंच गए। वहीं, ग्वालियर में रहने वाले परिजनों को भी सूचना दे दी गई है। पुलिस के अनुसार हर्ष व्यापार के सिलसिले में इंदौर आया था। परिजन ग्वालियर से इंदौर के लिए रवाना हो गए हैं। रेलवे पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फोनपे ने अपने प्लेटफॉर्म पर लॉन्च किया ऑल-इन-वन टैक्स फाइलिंग सॉल्यूशन

मुंबई। फोनपे ने आज अपने प्लेटफॉर्म पर एक व्यापक 'टैक्स फाइलिंग' फीचर लॉन्च करने की घोषणा की। यह फीचर आम लोगों, फ्रीलांसरों और छोटे व्यवसायों के लिए टैक्स से जुड़े नियमों का पालन करना आसान बनाने के लिए बनाया गया है। इसके जरिए लाखों फोनपे यूजर्स ऐप के भरोसेमंद इकोसिस्टम में ही आसानी से अपना इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) फाइल कर सकते हैं और हर महीने GST को सीधे ऐप से मैनेज कर पाएंगे। भारत के लीडिंग डिजिटल टैक्स प्लेटफॉर्म 'टैक्सबडी' के साथ मिलकर शुरू की गई इस सर्विस में सब कुछ एक ही जगह मिलेगा। इसमें 24 से शुरू होने वाली इंडिपेंडेंट सेल्फ-फाइलिंग, पेचीदा टैक्स मामलों के लिए एक्सपर्ट की मदद वाले प्लान और छोटे व्यापारियों के लिए हर महीने GST फाइलिंग शामिल है। यह सुविधा बाहरी पोर्टल पर जाने की जरूरत को खत्म करती है क्योंकि यह एंड-टू-एंड कंप्लायंस टूल देती है, जैसे ITR ऑप्टिमाइजेशन के लिए खास एक्सपर्ट सपोर्ट और आसानी से लगातार GST फाइलिंग के साथ यह सभी सुविधाएँ ऐप पर रोजमर्रा के फाइनेंशियल कामों के साथ आसानी से उपलब्ध हैं। इस लॉन्च पर बात करते हुए, फोनपे में इन-ऐप कैटेगरी की हेड निहारिका सहगल का कहना हैं, कि फोनपे में, हम एक ऐसा आसान फाइनेंशियल इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारे यूजर्स की मुख्य जरूरतों को पूरा करे। टैक्स से जुड़ी एक्सपर्ट सलाह और किफायती फाइलिंग समाधानों तक पहुँच को आसान बनाकर, हमारा मकसद अपने यूजर्स, चाहे वे सैलरी वाले प्रोफेशनल हों या आस-पास के दुकानदार, उन सभी को आसानी और भरोसे के साथ अपना टैक्स फाइल करने में सक्षम बनाना है। टैक्सबडी के को-फाउंडर और CTO श्रीनिवास रेड्डी का कहना हैं, कि हमें पूरे भारत में यूजर्स तक अपनी अक्-आधारित और एक्सपर्ट की मदद वाली टैक्स सर्विस पहुँचाने के लिए फोनपे के साथ पार्टनरशिप करके खुशी हो रही है। हमारा लक्ष्य इस इंटीग्रेशन को बड़े पैमाने पर अच्छी क्वालिटी की टैक्स सलाह और फाइलिंग में मदद उपलब्ध कराने का है।